राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,25 अक्टूबर-2021 वर्ष-4,अंक-274 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के मनपा संचालित अस्पताल की एक महिला रेजिडेंट डॉक्टर ने अधिक मात्रा में इंजेक्शन लगाकर आत्महत्या कर ली-जिगिशा पटेल

क्रांति समय ,सूरत

सूरत के शमीयर अस्पताल की एक महिला रेजिडेंट डॉक्टर ने अधिक मात्रा में इंजेक्शन लगाकर आत्महत्या कर ली। रेजिडेंट डॉक्टर जिगिशा पटेल का शव क्वार्टर रूम में मिला था। रेजिडेंट डॉक्टर की आत्महत्या के पीछे फिलहाल कोई कारण नहीं बताया गया है। रेजिडेंट डॉक्टर की मां बार-बार कहती रही कि मेरी बेटी क्वार्टर में जाने से पहले जिंदा थी। अंत में जब मां ने अपनी

बेटी जिगिशा को मृत अवस्था में देखा तो वह जोर-जोर से चिल्लाई और बोली कि मैंने अपना चमकता सितारा खो दिया है। 26 साल के महुवा गांव के क्वार्टर रूम की करासेलिया जिगिसा जिगिसा कानुभाई पटेल स्थानीय अस्पताल में स्मीमेरा क्वार्टर था. जिगिशा प्रथम वर्ष की रेजिडेंट डॉक्टर थीं और स्त्री रोग विभाग में काम करती थीं। जिगिशा शमीयर के क्वार्टर के च ब्लॉक में रहती थी। जिगिशा का शव आज क्वार्टर रूम में मिला। जिगिशा ने अपने हाथ में एक इंजेक्शन का ओवरडोज लेकर आत्महत्या

गुजरात के कई शहरों में तापमान गिरा, आगामी तीन दिन में बढ़ेगी ठंड

क्रांति समय ,सूरत

मान्सून के बिदा होने के बाद राज्य में ठंड ने दस्तक दे दी है। राज्य के कई शहरों में तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 3 दिनों के दौरान 2 से 3 डिग्री तापमान गिरने से ठंड बढ़ेगी। फिलहाल देर रात से सुबह के दौरान ठंड का अहसास होने लगा है। मान्सून की बिदाई के बाद अब धीरे धीरे ठंड गति पकड़ने लगी है। अहमदाबाद समेत 9 शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री के आसपास दर्ज हुआ है। दक्षिण गुजरात के वलसाड में न्यूनतम तापमान के 15 डिग्री पहुंचने से राज्य में सबसे अधिक ठंड यहां महसूस हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन दिन में राज्य के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट होगी और तापमान गिरने से ठंड और बढ़ेगी। भारत के पश्चिम और उत्तर पश्चिम की हवा चलने से देश के कई हिस्सों में बारिश हुई है। जिसकी वजह से मौसम बदला है। कच्छ में अचानक मौसम बदलने से ठंड के साथ कहीं कहीं बारिश भी हुई है। कच्छ के मांडवी तहसील के कई गांव में बारिश होने की खबर है। पश्चिम और उत्तर पश्चिम की हवा चलने से उत्तर गुजरात और सौराष्ट्र-कच्छ समेत हिस्सों में वातावरण सूखा रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक एक सप्ताह के बाद तापमान में और गिरावट के बाद कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है।

25 लाख के एमडी ड्रग्स के साथ दो शख्स गिरफ्तार, राजस्थान से लेकर आ रहे थे

क्रांति समय ,सूरत

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने एमडी ड्रग्स के साथ दो शख्सों को गिरफ्तार किया है। रु 25 लाख के ड्रग्स लेकर दोनों शख्स राजस्थान से रोडवेज की बस में आ रहे थे। अहमदाबाद उतरकर दोनों शख्स बारेजा जानेवाले थे, लेकिन उससे पहले ही क्राइम ब्रांच ने दोनों को दबोच लिया। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि शहर के दरियापुर क्षेत्र में रहनेवाला तारिक शेख और बारेजा का ताहिरहुसैन कुरैशी एमडी ड्रग्स की तस्करी करते हैं और दोनों राजस्थान ड्रग्स लेने गए हैं। राजस्थान से ड्रग्स हासिल करने तारिक और ताहिर रोडवेज की बस में सवार होकर गुजरात के लिए रवाना हो गए हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी और दोनों के अहमदाबाद पहुंचते गिरफ्तार कर लिया। क्राइम ब्रांच ने तारिक और ताहिर के पास रु 25 लाख कीमत का 250 ग्राम एमडी ड्रग्स, मोबाइल और नकद समेत रु 25.25 लाख माल जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरूकी है।

नवसारी डायमंड मर्चेंट एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्यों की १० सीटों पर हुआ चुनाव, १७ सदस्य मनोनीत

क्रांति समय ,सूरत

नवसारी जिले में हीरा व्यवसाय एक समय में सूरत की तुलना में अधिक फलता-फूलता था और नवसारी हीरों को काटने और चमकाने का एक बड़ा केंद्र था। लेकिन समय के साथ उस स्थान पर सूरत ने कब्जा कर लिया। जबकि जिले में हीरा व्यवसाय अभी भी अच्छा चल रहा है, व्यवसाय की प्रगति और सुचारू रूप से चलाने के लिए नवसारी जिले में एक एसोसिएशन की स्थापना की गई है। इसमें अध्यक्ष, मंत्री, महासचिव और कोषाध्यक्ष सहित कुल २१ कार्यकारी सदस्य हैं। जिसमें से १७ सदस्य वर्तमान में कुल १० सदस्य सीटों के लिए चुनाव लड़ रहे थे।

मतिया पाटीदार वाडी में आज मतदान और आम सभा हुई। जिसमें शाम ७ बजे १० उम्मीदवार विजयी हुए।विजेता उम्मीदवार बाबूभाई देसाई ४३४ अल्पेश दोशी ५२८ अर्जुन पटेल ४७९ चिराग जोगनी ५३४ कमल मलानी ५६७ नयनभाई मेहता ४९१ निकुंजभाई शाह ५८० सुनीलभाई शाह ४७१ उर्विन शाह ५०६ हैं।

जिले में कुल १७०० मतदाता हैं जिन्होंने मतदान किया। जिले में ए.डी. मण्डली १९८६ से संचालन में है। अब तक, संगठन में कुल छह अध्यक्षों ने पद संभाला है, जिसमें विजेता को आज के चुनाव लड़ने वाले सदस्यों में से चुना जाना है। गौरतलब है कि वर्तमान अध्यक्ष कमलेश मलानी ने भी दावा किया था।डायमंड मर्चेंट एसोसिएशन सूरत में डायमंड एक्सचेंज में जगह बनाने पर भी विचार कर रहा है, जिसके लिए फंड भी जुटाया जाएगा। वहीं हीरा कारोबारी सदस्यों से कुछ सवाल भी हुए, जिनके समाधान पर भी चर्चा हुई.

28 गार्डन पीपीपी के आधार पर भेस्तान गार्डन से शुरूहोंगे

क्रांति समय ,सूरत

सूरत, नगर पालिका का खजाना खाली होने के कारण राजस्व जुटाने के प्रयास किए जा रहे हैं छोटे रेस्टोरेंट-फूड कोर्ट शुरूकर कंपनियां अपना लोगो लगा सकेंगी

नगर पालिका की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है, उद्यानों का रख-रखाव बाधित होने से शहर में १०,००० वर्ग मीटर से बड़े उद्यानों को पीपीपी आधार पर निजी कंपनियों को सौंपने की कवायद शुरू हो गई है. प्लॉट महीनों के लिए लीज पर दिए गए हैं। भेस्तान क्लॉक बॉटनिकल गार्डन से बड़े बागानों को निजी कंपनियों को सौंपना शुरूकरने का निर्णय लिया गया है।

निगम इसके सहित दो गार्ड आवंटित करेगा, जिसके लिए नीतिगत नियम बनाने की तैयारी चल रही है। बगीचों में एक छोटा रेस्टोरेंट-फूड कोर्ट, एक पार्लर जो एक कंपनी शुरू कर सकता है और बगीचे पर अपना लोगो लगा सकता है। लेकिन कंपनी को बगीचे की पूरी देखभाल करनी होगी।

व्यवस्था-शासकों ने नगर निगम के खजाने के नीचे राजस्व उत्पन्न करने के लिए सोचना और कदम उठाना शुरू कर दिया है। रखरखाव के भारी बोझ वाले बड़े उद्यानों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से २८ उद्यान देने का मंच तैयार किया गया है। भेस्तान गार्डन और क्लॉक बॉटनिकल गार्डन के लिए नीतिगत नियम बनाने पर चर्चा चल रही है, जिसकी घोषणा अध्यक्ष ने पिछली स्थायी समिति में भी की थी।

जम्मू-कश्मीर में नये हथकंड अपना रहे आतंकवादी:माधव

क्रांति समय ,सूरत

सूरत,आरएसएस के नेता राम माधव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी डर फैलाने के लिए नए हथकंडे अपना रहे हैं क्योंकि वे केंद्र शासित प्रदेश में सरकार की सफलता से चकित हैं। माधव की टिप्पणी कश्मीर घाटी में हिंसा में तेजी की पृष्ठभूमि में आई है। अक्टूबर में घाटी में कम से कम ११ नागरिक मारे गए हैं, जिनमें से कुछ अल्पसंख्यक समुदायों से थे। भाजपा के महासचिव रह चुके माधव ने यहां अपनी नई पुस्तक 'द हिन्दू पैराडाइम = इंटीग्रल ह्यूमनिज्म एंड क्वेस्ट फॉर ए नॉन वेस्टर्न वर्ल्डव्यू' पर परिचर्चा करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा कि जम्मू-कश्मीर में पिछले तीन-चार वर्षों में कई सकारात्मक बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा ?कि ३० साल पहले विस्थापित हुए कश्मीरी पंडितों को वापस लाया जा रहा है और उनमें से लगभग ३,००० को नौकरी की पेशकश की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। इन सब के कारण, विकास कार्यों में तेजी आई है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान में आतंकवादी और उनके आका केंद्र सरकार की सफलता से भ्रमित हैं और वे भय फैलाने के लिए सड़क पर निर्दोषों को मारने के लिए नशाखोरों जैसे तत्वों को हथियार देकर नए हथकंडे अपना रहे हैं। माधव ने कहा, हम इसे खुफिया विफलता या सरकार की विफलता के रूप में नहीं ले सकते हैं बल्कि ये आतंकवादी सरकार की सफलता पर बदहवासी में एक नए प्रकार का भय पैदा कर रहे हैं।

माधव ने दावा किया, सरकार की सफलता से भ्रमित हैं आतंकवादी और उनके आका

स्टेट मोनिटरिंग सेल ने 25 पेटी विदेशी शराब समेत दो शख्सों को किया गिरफ्तार

क्रांति समय ,सूरत

वडोदरा,स्टेट मोनिटरिंग सेल ने वडोदरा के लक्ष्मीपुरा में रेड कर दो शख्सों को 25 पेटी विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया है। एक सप्ताह के भीतर स्टेट मोनिटरिंग सेल की यह दूसरी बड़ी कार्यवाही है। गत 17 अक्टूबर को वडोदरा के सेवासी गांव के फार्म हाउस में छापा मारकर स्टेट मोनिटरिंग सेल ने 150 से अधिक विदेशी शराब की पेटी बरामद की थी। उससे पहले पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में पता चला था कि सेवासी गांव में विदेशी शराब के गोदाम है। जांच में पता चला कि फार्म हाउस में विदेशी शराब संग्रह की जाती थी और उसके बाद अलग अलग जगहों पर सप्लाई की जाती थी। 17 अक्टूबर के बाद फिर एक बार स्टेट मोनिटरिंग सेल ने वडोदरा के लक्ष्मीपुरा में रेड कर 25 पेटी विदेशी शराब समेत दो शख्सों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा फतेपुरा में भी सेल ने छापा मारकर 70 से अधिक विदेशी शराब की पेटी के साथ दो आरोपियों को दबोच लिया है और अभी कार्यवाही चल रही होने की खबर है। बता दें कि गुजरात में शराब बंदी का कड़ाई से अमल किया जा रहा है।

किसी भी पुलिस थानान्तर्गत क्षेत्र में यदि बड़े पैमाने पर शराब पकड़ी जाती है तो ऐसे मामलों में संबंधित पुलिस अधिकारी का तबादला या निलंबन का प्रावधान है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

आतंकवाद पर अंतिम प्रहार

कश्मीर में कश्मीरी हिंदुओं और सिखों के साथ अन्य राज्यों के मजदूरों को चुन-चुनकर निशाना बनाने की खौफनाक घटनाओं के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जम्मू-कश्मीर जाना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अनुच्छेद 370 हटने के बाद वह पहली बार इस केंद्र शासित राज्य पहुंचे हैं। यह स्वाभाविक है कि जम्मू और कश्मीर संभाग की तीन दिन की उनकी इस यात्र का उद्देश्य विकास योजनाओं के साथ सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा करना है। हाल की आतंकी घटनाओं और उसके बाद प्रवासी मजदूरों के पलायन के सिलसिले को देखते हुए ऐसा करना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य भी है। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा का काम न केवल समग्रता के साथ किया जाना चाहिए, बल्कि इस दौरान उन कारणों को पहचानकर उनका निवारण भी किया जाना चाहिए, जिनके चलते आतंकियों और उनके समर्थकों ने फिर से सिर उठाने का दुस्साहस किया। कश्मीर में जितनी जरूरत आतंकियों पर दबाव बनाने और उन्हें बचकर निकलने का अवसर न देने की है, उतनी ही उनके समर्थकों पर शिकंजा कसने की। आतंकियों के समर्थक केवल वही नहीं हैं, जो उन्हें शरण और सहायता देते हैं, बल्कि वे भी हैं जो उनके पक्ष में माहौल बनाते हैं। चूंकि इसमें नेता, नौकरशाह और अन्य सरकारी कर्मचारी भी शामिल पाए गए हैं इसलिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कहीं अधिक गहनता से करने और उसका दायरा बढ़ाने की भी जरूरत है। रह-रह कर होने वाली आतंकी घटनाएं यही इंगित करती हैं कि कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद के समर्थक अब भी सक्रिय हैं। इन तत्वों को न केवल बेनकाब करना होगा, बल्कि उन्हें पूरी तरह निष्क्रिय भी करना होगा। अब जब गृह मंत्री यह कह रहे हैं कि आतंकवाद पर अंतिम प्रहार करने का समय आ गया है, तब फिर ऐसा न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि ऐसा होते हुए दिखना भी चाहिए। यह करके ही कश्मीर में वह माहौल बनाने में सफलता मिलेगी, जिसमें वहां विधानसभा चुनाव कराना संभव होगा। यह अच्छा हुआ कि गृह मंत्री ने राज्य का दर्जा बहाल करने के अपने वादे को दोहराया, लेकिन कश्मीर में कानून एवं व्यवस्था को सामान्य बनाने और वहां विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए यह भी आवश्यक है कि सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ थमे। यह ठीक नहीं कि सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ का सिलसिला कायम है। इसका उदाहरण है पुंछ के जंगलों में आतंकियों का जमावड़ा। इन आतंकियों को मार गिराने के साथ ही यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि भविष्य में सीमा पार से आतंकी देश की सीमा में घुसने न पाएं।

'आज के ट्वीट'

स्वच्छता

स्वच्छता के प्रयास तभी पूरी तरह सफल होते हैं जब हर नागरिक स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझे . अभी दीपावली पर हम सब अपनी घर की साफ़ सफाई में तो जुटने ही वाले हैं . लेकिन इस दौरान हमें ध्यान रखना है कि हमारे घर के साथ हमारा आस-पड़ोस भी साफ़ रहे : -- PM @narendramodi

'टीम इंडिया' की ताकत से हासिल कामयाबी

नरेंद्र मोदी

भारत ने टीकाकरण की शुरुआत के मात्र 9 महीनों बाद ही 21 अक्तूबर, 2021 को टीके की 100 करोड़ खुराक का लक्ष्य हासिल कर लिया है। कोविड-19 से मुकाबला करने में यह यात्रा अद्भुत रही है, विशेषकर जब हम याद करते हैं कि 2020 की शुरुआत में परिस्थितियां कैसी थीं। मानवता 100 साल बाद इस तरह की वैश्विक महामारी का सामना कर रही थी और इस वायरस के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। उस समय स्थिति कितनी अप्रत्याशित थी, क्योंकि हम एक अज्ञात और अदृश्य दुश्मन का मुकाबला कर रहे थे, जो तेजी से अपना रूप भी बदल रहा था। चिंता से आश्वासन तक की यात्रा पूरी हो चुकी है और दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के फलस्वरूप हमारा देश और भी मजबूत होकर उभरा है। इसे वास्तव में एक भगीरथ प्रयास मानना चाहिए, जिसमें समाज के कई वर्ग शामिल हुए हैं। पैमाने का अंदाजा लगाने के लिए, मान लें कि प्रत्येक टीकाकरण में एक स्वास्थ्यकर्मी को केवल 2 मिनट का समय लगता है। इस दर से, इस उपलब्धि को हासिल करने में लगभग 41 लाख मानव दिवस या लगभग 11 हजार मानव वर्ष लगे। गति और पैमाने को प्राप्त करने तथा इसे बनाए रखने के किसी भी प्रयास के लिए, सभी हितधारकों का विश्वास महत्वपूर्ण है। इस अभियान की सफलता के कारणों में से एक, वैक्सीन तथा बाद की प्रक्रिया के प्रति लोगों का भरोसा था, जो अविश्वास और भय पैदा करने के विभिन्न प्रयासों के बावजूद कायम रहा। हम लोगों में से कुछ ऐसे हैं, जो दैनिक जरूरतों के लिए भी विदेशी ब्रांडों पर भरोसा करते हैं। हालांकि, जब कोविड-19 वैक्सीन जैसी महत्वपूर्ण बात सामने आयी, तो देशवासियों ने सर्वसम्मति से 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन पर भरोसा किया। यह एक महत्वपूर्ण मौलिक बदलाव है। भारत का यह टीका अभियान एक उदाहरण है कि अगर यहां के नागरिक और सरकार जनभागीदारी की भावना से लैस होकर एक साझा लक्ष्य के लिए मिलकर साथ आएं, तो यह देश क्या कुछ हासिल कर सकता है। जब भारत ने अपना टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया, तो 130 करोड़ भारतीयों की क्षमताओं पर संदेह करने वाले कई लोग थे। कुछ लोगों ने कहा कि भारत को 3-4 साल लगेंगे। कुछ ने कहा कि लोग टीकाकरण के लिए आगे नहीं आएंगे। कुछ ने कहा कि टीकाकरण प्रक्रिया घोर कुप्रबंधन और अराजकता की शिकार होगी। यहां तक कह दिया कि भारत सप्लाई चेन को व्यवस्थित नहीं कर पाएगा। लेकिन जनता कर्फ्यू और उसके बाद के लॉकडाउन की तरह, भारत के लोगों ने यह दिखा दिया कि अगर उन्हें भरोसेमंद साथी बनाया जाए तो परिणाम कितने शानदार हो सकते हैं। जब हर कोई जिम्मेदारी उठा ले, तो कुछ भी असंभव नहीं है। हमारे स्वास्थ्य कर्मियों ने लोगों को टीका लगाने के लिए कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में पहाड़ियों और नदियों को पार किया। हमारे युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कर्मियों, सामाजिक एवं धार्मिक नेताओं को इस बात का श्रेय जाता है कि टीका लेने के मामले में भारत को विकसित देशों की तुलना में बेहद कम हिचकिचाहट का सामना करना पड़ा है। अलग-अलग हितों से संबद्ध विभिन्न समूहों की ओर से टीकाकरण की प्रक्रिया में उन्हें प्राथमिकता देने का काफी दबाव था। लेकिन सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि हमारी अन्य योजनाओं की तरह ही टीकाकरण अभियान में भी कोई वीआईपी संस्कृति नहीं होगी। वर्ष 2020 की शुरुआत में जब दुनिया भर में कोविड-19 फैल रहा था, तो स्पष्ट था कि इस महामारी से अंततः टीकों की मदद से ही लड़ना होगा। हमने जल्दी तैयारी शुरू कर दी। हमने विशेषज्ञ समूहों का गठन किया और अप्रैल, 2020 से ही एक रोडमैप तैयार करना शुरू कर दिया। आज तक केवल कुछ चुनींदा देशों ने ही अपने स्वयं के टीके विकसित किए हैं। 180 से भी अधिक देश टीकों के लिए जिन उत्पादकों पर निर्भर हैं, वे बेहद सीमित संख या में हैं। यही नहीं, जहां एक ओर भारत ने 100 करोड़ खुराक का अविश वसनीय या जादुई आंकड़ा सफलतापूर्वक पार कर लिया है, वहीं दूसरी ओर दर्जनों देश अब भी अपने यहां टीकों की आपूर्ति की बड़ी बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं! जरा कल्पना कीजिए कि यदि भारत के पास अपना टीका नहीं होता तो क्या होता। देश इतनी विशाल आबादी के लिए पर्याप्त संख या में टीके कैसे हासिल करता और इसमें कितने साल लग जाते? इसका श्रेय भारतीय वैज्ञानिकों और उद्यमियों को दिया जाना चाहिए, जिन् होंने इस बेहद कठिन चुनौती का सफलतापूर्वक सामना किया। उनकी उत कृष ट प्रतिभा और कड़ी मेहनत की बदौलत ही भारत टीकों के मामले में वास्तव में 'आत्मनिर्भर' बन गया है। इतनी बड़ी आबादी के लिए हमारे टीका निर्माताओं ने अपना उत पादन स तर वृहद रूप से बढ़ाकर यह साबित कर दिया है कि वे किसी से भी कम नहीं हैं। एक ऐसे राष्ट्र में जहां सरकारों को देश की प्रगति में बाधक माना जाता था, हमारी सरकार इसके बजाय बड़ी तेजी से देश की प्रगति सुनिश्चित करने में सदैव अत यंत मददगार रही है। सरकार ने पहले दिन से ही टीका निर्माताओं के साथ सहभागिता की और उन्हें संस्थागत सहायता, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं आवश यक धनराशि मुहैया कराने के साथ-साथ नियामकीय प्रक्रियाओं को काफी तेज करने के रूप में भी हरसंभव सहयोग दिया। 'संपूर्ण सरकार' के से दृष्टिकोण सरकार के सभी मंत्रालय वैक्सीन निर्माताओं की सहूलियत और किसी भी अड़चन को दूर करने के लिए एकजुट हो गए। भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में सिर्फ उत्पादन करना ही काफी नहीं है। इसके लिए अंतिम व यक्ति तक को टीका लगाने और निर्बाध लॉजिस्टिक्स पर भी फोकस होना चाहिए। इसकी कल्पना करें कि टीके की एक शीशी को आखिरकार कैसे मंजिल तक पहुंचाया जाता है। पुणे या हैदराबाद स्थित किसी दवा संयंत्र से निकली शीशी को किसी भी राज्य के हब में भेजा जाता है, जहां से इसे जिला हब तक पहुंचाया जाता है। फि र वहां से इसे टीकाकरण केंद्र पहुंचाया जाता है। इसमें विमानों की उड़ानों और ट्रेनों के जरिए हजारों यात्राएं सुनिश्चित करनी पड़ती हैं। टीकों को सुरक्षित रखने के लिए इस पूरी यात्रा के दौरान तापमान को एक खास रेंज में बनाए रखना होता है, जिसकी निगरानी केंद्रीय रूप से की जाती है। इसके लिए 1 लाख से भी अधिक शीत-शृंखला (कोल्ड-चेन) उपकरणों का उपयोग किया गया। राज्यों को टीकों के वितरण कार्यक्रम की अग्रिम सूचना दी गई थी, ताकि वे अपने अभियान की बेहतर योजना बना सकें और टीके पूर्व-निर्धारित तिथि को ही उन तक सफलतापूर्वक पहुंच सकें। इन प्रयासों को कोविन के एक मजबूत तकनीकी मंच से जबर्दस्त मदद मिली। इसने यह सुनिश्चित किया कि टीकाकरण अभियान न्यायसंगत, मापनीय, ट्रैक करने योग्य और पारदर्शी बना रहे। साथ ही टीकाकरण के काम में कोई पक्षपात या बिना पंक्ति के टीका लगवाने की कोई गुंजाइश न हो। यह भी कि एक गरीब मजदूर अपने गांव में पहली खुराक ले सकता है और उसी टीके की दूसरी खुराक तय समय अंतराल पर उस शहर में ले सकता है जहां वह काम करता है। टीकाकरण के काम में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए रियल-टाइम डैशबोर्ड के अलावा, क्यूआर-कोड वाले प्रमाणपत्रों ने सत्यापन को सुनिश्चित किया। 2015 में अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में मैंने कहा था कि हमारा देश 'टीम इंडिया' की वजह से आगे बढ़ रहा है और यह 'टीम इंडिया' हमारे 130 करोड़ लोगों की एक बड़ी टीम है। जनभागीदारी लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। यदि हम 130 करोड़ भारतीयों की भागीदारी से देश चलाएंगे तो हमारा देश हर पल 130 करोड़ कदम आगे बढ़ेगा। हमारे टीकाकरण अभियान ने एक बार फिर इस 'टीम इंडिया' की ताकत दिखाई है।

टीकाकरण अभियान में भारत की सफलता ने पूरी दुनिया को यह भी दिखाया है कि 'लोकतंत्र हर उपलब्धि हासिल कर सकता है'।

नेतृत्व

जग्गी वासुदेव

कुछ समय पहले मैं सिंगापुर में एक प्रसिद्ध प्रबंधन एवं प्रशासनिक प्रशिक्षण कॉलेज के अध्यापकों को संबोधित करने जा रहा था। मैं लगातार एक के बाद एक कार्यक्रम कर रहा था, तो उस कॉलेज में प्रवेश करने से पहले मैंने आयोजकों से पूछा,'मेरा संबोधन किस बारे में है, मुझे क्या कहना है'? वे बोले, 'नेतृत्व के बारे में कुछ कहिये'। मैं जब वहां प्रवेश कर रहा था तो मैंने एक बैनर देखा, जिस पर लिखा था,'भारत के एक प्रेरणादायी वक्ता का नेतृत्व पर संबोधन'। भौतिकतावादी व्यक्ति उस कुत्ते की तरह है, जिसके आगे हड्डी लटका कर उसे रेस जीतने के लिए प्रेरित किया जाता है। बस हड्डी पाने के लिए कुत्ता तेज गति से भागता है पर वो उसे नहीं मिलती। एक भौतिकतावादी व्यक्ति हमेशा बाहरी परिस्थितियों से प्रेरित होता है। तो मैंने बस ये सोचा कि वे कौन सी बातें हैं जो लोगों को कुछ करने के लिए प्रेरणा देती है, लोगों को कब और कहां प्रेरणा की आवश्यकता पड़ती है? आप को प्रेरणा की जरूरत तभी होती है जब आपके जीवन में कोई ऐसी चीज न हो, जो आप वाकई करना चाहते हैं। अगर आप वाकई कुछ करना चाहते हैं तो आप को किसी प्रेरणा की कोई जरूरत नहीं है। क्या भोजन करने जाने के लिए आपको प्रेरणा की जरूरत होती है? लेकिन, हां, आप में से कुछ लोगों को साधना करने के लिए, सुबह जल्दी उठने के लिए प्रेरणा अवश्य देनी पड़ती है। जब लोग बहुत ज्यादा प्रेरित हो जाते हैं तो वे कोई महान कार्य कर सकते हैं या वे बिल्कुल मूर्खतापूर्ण काम भी कर सकते हैं। प्रेरणा हमेशा बुद्धिमानी के साथ नहीं आती। जब हमें कोई अत्यंत उद्देश्यपूर्ण व लक्ष्य-केन्द्रित काम करना हो, तो हमें ज्यादा समझदार, ज्यादा लक्ष्य केंद्रित लोगों की आवश्यकता होती है। ऐसे लोग जिन्हें किसी के द्वारा प्रेरणा दिए जाने की कोई जरूरत ना हो, जो स्पष्ट रूप से जानते हों कि उन्हें क्या करना है। अगर हममें यह स्पष्टता है कि हम क्या करना चाहते हैं तो हम जो चाहते हैं उसे रचने की हमारी योग्यता, प्रेरित लोगों की योग्यता से कहीं बेहतर होगी। प्रेरित लोगों का समूह किसी कम समय तक चलने वाली गतिविधि के लिए तो ठीक है, पर यदि कोई दीर्घकालीन कार्य करना हो तो ऐसे लोगों की जरूरत होगी जो हर हाल में वो काम करना चाहते हैं।

आज का राशिफल

मेष	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृषभ	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
मिथुन	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
कर्क	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
सिंह	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।
कन्या	व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।
तुला	व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।
वृश्चिक	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।
मकर	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।
कुम्भ	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
मीन	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

प्रकृति का तांडव, एक त्रासदी ?

(लेखक- नरेन्द्र भारती)

देश में कभी भूकंप, कभी सुनामी, जैसी प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती है तो कभी बाढ़ का रौद्र रुप जिदंगियां लीलता है। प्रकृति रौद्र रुप दिखाकर तबाही मचा रही है। उतराखंड में प्रकृति मौत का तांडव कर रही है।दर्दनाक मौतें हो रही है। ताजा घटनाक्रम में उतराखंड में लगातार हो रही बारिश से बादल फटने से और भूस्खलन से 14 मजदूरों समेत 40 लोंगों की दर्दनाक मौतें हो गई।मजदूर जिंदा दफन हो गए।नदियों का जलस्तर खतरे के निशान पर आ गया है।प्रतिवर्ष लाखोंझारों लोग मारे जाते है। मानव भी प्रकृति से छेड़छाड़ करने से बाज नहीं आते जब प्रकृति अपना बदला लेती है तब लोगों को होश आता समय≤ पर भीषण त्रासदियां होती रहती है मगर हम आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखते।प्रकृति की इस त्रासदी से हर भारतीय गमगीन है। प्रकृति का यह तांडव थमने का नाम नहीं ले रहा है।कारें कागज की कश्तियों की तरह बह गई। मकान पानी में डूब गए है।उतराखंड में प्रकृति ने पहले भी प्रलय की इबारत लिखी थी । चमोली जिला के तपोवन में ग्लेशियर टूटकर ऋषिगंगा नदी में गिरा था और तबाही का मंजर पल भर में लोगों को लील गया था। ऋषिगंगा नदी के किनारे रैणी गांव में ऋषिगंगा पावर प्रोजेक्ट तहस नहस हो गया था और दर्जनों लोगों की लीली था। 16 लोगों को एडीआरएफ ने बचा लिया था।204 लोग लापता हो गए थे। और 34 शव बरामद कर लिए थे।यह बहुत ही त्रासदी थी।पल भर में लोग बह गए और लापता हो गए थे।चमोली में लापता लोगों की तलाश के लिए अब जियोंग्राफीकल स्कैनिंग की गई थी। गत 25 जुलाई 2021 को किन्नौर जिला वै बटसेरी के गुसां के पास चटटाने गिरने से पर्यटकों की गाड़ी के भूस्खलन की चपेट में आने के कारण 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी जबकि तीन गभीर रुप से घायल हो गए थे। बास्पा नदी पर बना पुल भी टूट गया था। साल 2020 में अम्फान चक्रवात ने पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में तबाही मचा दी थी ।80 लोग अकाल बेमौत मारे गए थे। लाखों लोग बेघर हो गए थे ।पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे।इलाके जल्मगन हो गए थे। अक्तूबर 1999 में भी उड़ीसा में तूफान ने काफी तबाही मचाई थी। प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए थें।बच्चे अनाथ हो थे लाशे मलवे में दफन हो थी।2021 में हिमाचल में प्रकृति ने प्रलय की इबारत थी। किन्नौर से लेकर भरमौर तक प्रकृति मौत का तांडव मचाया था।सैंकड़ों लोगों की अकाल मौत हो गई थी। प्रकृति ने रौद्र रुप दिखाकर मानव को आगाह कर दिया है कि संभल जा अभी भी समय है।भूस्खलन व बाढ़ से चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी और 12 लोग लापता हो गए थे।धर्मशाला के भगसूनाग में भंयकर तबाही हुई थी।कुपवी में तीन मंजिला मकान जमीदोज हो गया था।कुदरत के इस कहर से हर हिमाचली दहशत में था। प्रकृति ने मानव को समय≤ पर आगाह किया मगर इंटरनैट की दुनिया के जाल में फंसा मानव खुद को प्रकृति से बड़ा माने लगा था उसे यह आभास नहीं था कि प्रकृति सबसे बड़ी गुरु है।प्रकृति ने बहुत कुछ सहा है। प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता,प्रत्येक मानव को बराबर धूप व हवा व पानी दे रही है।मानव कृतध्न बनता जा रहा है।मानव ने स्वार्थो की पूर्ति के लिए प्रकृति को लहूलुहान किया है।आज प्रकृति ने अपना बदला ले लिया है। तबाही की इबारत लिख दी है ।मानव का अहम मिटाकर रख दिया है।गलतफहमियों में जी रहे मानव आज प्रकृति के आगे नतमस्तक हो चुकें है।अतीत में की गए कुकर्मो का पश्चाताप कर रहे है। चारों तरफ गंदगी है वातावरण अशुद्ध हो गया है।वातवरण कि शुद्धि के लिए प्रकृति मजबूर हो गई और मगरुर हो चुके इंसान का गुरुर तोड़ कर रख दिया है। अनजाने में हुई भूल को माफ किया जा सकता है मगर जानबूझकर की गई गलतियों की सजा प्रकृति ने मानव को दे दी है। मानव को जीवन और मौत की परिभाषा सिखा दी है।यह प्रलय की आहट है। कुदरत ने भटक चुके मानव को पाप और पुण्य का अंतर समझा दिया है।प्रकृति का एक संदेश है भटक चुके व अहंकारी इंसान के लिए जो कुदरत से खिलवाड़ करता था।प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी।अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। कुदरत का कहर बरपता रहेगा।यह प्रकृति का एक टरेलर ही है अगर अब भी मानव ने प्रकृकि से छेड़छाड़ बंद नहीं की तो प्रकृति पूरी पिक्चर दिखएगी तब होश आएगा वक्त अभी संभलने का है।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है।गत वर्ष उतराखंड में प्रकृति का रौद्र तांडव हुआ था , एक अविस्मरणीय त्रासदी थी।प्रलय में असमय व अकाल ही निर्दोष लोग मारे गए थे।कुछ बच गए थे कुछ लापता हो गए थे। प्रकृति समय पर आगाह करती रहती है मगर फितरती हो चुका मानव खुद को समझकार समझता है मगर प्रकृति ने एक छोटे से झटके से उसको औकात दिख दी है।सरकारो ने मुआवजे की घोषणा कर दी है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है।प्रकृति से खेलना बंद करना होगा।यह प्रलय निरंतर होते रहेगें। हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है मगर कुछ दिनो बाद जब जीवन पटरी पर चलने लग जाता है तो इन बातों को भूला दिया जाता है। अगर बीती त्रासदियों से सबक सीखा जाए तो आने वाले भविष्य को सुरक्षित कर लिया जा सकता है। मगर हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है।देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है। देश के हर राज्य में बरसात से त्रासदीयां हो रही है। इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों को मौत के मुंह से बचा सके । अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है।अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फेसबुक ने प्रोग्रामर पर दायर किया मुकदमा, 178 मिलियन यूजर्स के डेटा को मिटाने का आरोप

सैन फ्रांसिस्को। टेक दिग्गज फेसबुक ने यूक्रेन के नागरिक एलेक्जेंडर सोलोनचेंको पर 178 मिलियन से अधिक यूजर्स के डेटा को कथित रूप से मिटाने के आरोप में मुकदमा दायर किया है। इनगैजेट ने सूचना दी, सोलोनचेंको ने कथित तौर पर एंड्रॉइड डिवाइस की नकल करने वाले एक स्वचालित टूल का उपयोग करके मैसेंजर की संपर्क सुविधा का फायदा उठाया। रिपोर्ट के अनुसार, हमलावर ने जनवरी 2018 और सितंबर 2019 के बीच यूजर्स के डेटा को स्क्रैप किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि फेसबुक ने सोलोनचेंको को अपने फोरम यूजरनेम और ईमेल और जॉब बोर्ड के संपर्क विवरण का इस्तेमाल करने के बाद ट्रैक किया। फेसबुक ने कहा कि यह अन्य लक्ष्यों से डेटा स्क्रैप किया है, जिसमें एक प्रमुख यूक्रेनी बैंक भी शामिल है। फेसबुक ने अपनी शिकायत में नुकसान के साथ-साथ सोलोनचेंको को फेसबुक से संपर्क साधने और अपने स्क्रैप किए गए डेटा को बेचने से रोकने के लिए कहा।

आईसीआईसीआई बैंक का चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में सालाना शुद्ध लाभ 30 फीसदी बढ़ा

मुंबई। निजी क्षेत्र के प्रमुख आईसीआईसीआई बैंक ने शनिवार को वित्तवर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही में अपने सालाना आधार पर शुद्ध लाभ में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। स्टैंडअलोन आधार पर कर के बाद का लाभ वित्तवर्ष 2021 की दूसरी तिमाही में में 4,251 करोड़ रुपये की तुलना में बढ़कर 5,511 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह, समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) बढ़ी। यह वित्तवर्ष 22 की दूसरी तिमाही में 25 प्रतिशत बढ़कर 11,690 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्तवर्ष 21 की दूसरी तिमाही में 9,366 करोड़ रुपये था। बैंक ने एक बयान में कहा, 30 जून, 2021 (पहली तिमाही-2022) को समाप्त तिमाही में 3.89 प्रतिशत से 2022 की दूसरी तिमाही में शुद्ध ब्याज मार्जिन बढ़कर 4 प्रतिशत हो गया जो 2021 की दूसरी तिमाही में 3.57 प्रतिशत था। गैर-ब्याज आय, ट्रेजरी आय को छोड़कर, वर्ष-दर-वर्ष 26 प्रतिशत बढ़कर द2-2022 में 4,400 करोड़ रुपये हो गई, जो द2-2021 में 3,486 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा, बैंक के प्रावधान (कर के प्रावधान को छोड़कर) वर्ष-दर-वर्ष 9 प्रतिशत घटकर वित्तवर्ष 22 की दूसरी तिमाही में 2,714 करोड़ रुपये हो गए, जो वित्तवर्ष 21 की दूसरी तिमाही में 2,995 करोड़ रुपये थे। संपत्ति की गुणवत्ता के संदर्भ में, शुद्ध गैर-निष्पादित संपत्ति 30 सितंबर, 2021 को क्रमिक रूप से 12 प्रतिशत घटकर 8,161 करोड़ रुपये हो गई, जो 30 जून, 2021 को 9,306 करोड़ रुपये थी। शुद्ध एनपीए अनुपात 30 सितंबर, 2021 को घटकर 0.99 प्रतिशत हो गया, जो 30 जून, 2021 को 1.16 प्रतिशत था। सकल एनपीए में शुद्ध वृद्धि 2022 की दूसरी तिमाही के दौरान 3,604 करोड़ रुपये से घटकर 96 करोड़ रुपये हो गई। सकल एनपीए परिवर्धन 2022 की दूसरी तिमाही में घटकर 5,578 करोड़ रुपये हो गया, जो 2022 की पहली तिमाही में 7,231 करोड़ रुपये था। इसके अलावा, कहा गया है कि एनपीए की वसूली और उन्नयन, राइट-ऑफ और बिक्री को छोड़कर, वित्तवर्ष 22 की दूसरी तिमाही में वृद्धि बढ़कर 5,482 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्तवर्ष 21 की पहली तिमाही में 3,627 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा, बैंक ने बताया कि कर के बाद उसका समेकित लाभ वित्तवर्ष 22 की दूसरी तिमाही में बढ़कर 6,092 करोड़ रुपये हो गया, जो पहली तिमाही में 4,763 करोड़ रुपये था और वित्तवर्ष 21 की पहली तिमाही में 4,882 करोड़ रुपये था।

मुद्रास्फीति को 4% पर वापस लाने के लिए RBI प्रतिबद्धः शक्तिकांत दास

मुंबईः भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि आरबीआई गैर-व्यवधानकारी तरीके से खुदरा मुद्रास्फीति को 4 फीसदी के स्तर पर वापस लाने को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इस महीने की शुरूआत में मॉनेटरी पॉलिसी समीक्षा बैठक में नीतिगत दर बरकरार रखने के लिए मतदान करते हुए उन्होंने ये बात कही थी। आरबीआई द्वारा शुक्रवार को जारी मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (MPC) की बैठक के ब्योरे से यह जानकारी मिली। सरकार ने आरबीआई को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) पर आधारित मुद्रास्फीति को दो फीसदी घट-बढ़ के साथ चार फीसदी पर रखने का लक्ष्य दिया है। खुदरा मुद्रास्फीति मई और जून में छह फीसदी से ऊपर थी, हालांकि यह सितंबर में घटकर 4.35 फीसदी पर आ गई।

6 से 8 अक्टूबर के बीच हुई थी MPC की बैठक

मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक 6 से 8 अक्टूबर के बीच हुई थी। बैठक के ब्योरे के मुताबिक दास ने कहा कि अगस्त 2021 की बैठक में समिति को लगातार दूसरे महीने सकल मुद्रास्फीति के संतोषजनक सीमा से अधिक रहने की चुनौतियों का सामना करना पड़ा. उन्होंने कहा कि जुलाई-अगस्त के दौरान मुद्रास्फीति में नरमी आने से एमपीसी का दृष्टिकोण और मौद्रिक नीति का रुख सही साबित हुआ।

खाद्य मुद्रास्फीति में कमी

खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय कमी के कारण इस साल जुलाई और अगस्त में मुद्रास्फीति में तुलनात्मक रूप से नरमी रही। दास ने कहा कि यदि बेमौसम बारिश नहीं होती है, तो रिकॉर्ड खरीफ उत्पादन, पर्याप्त खाद्य भंडार, आपूर्ति-पक्ष उपायों और अनुकूल आधार प्रभावों के चलते खाद्य मुद्रास्फीति में नरमी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के चलते परिवहन लागत को लेकर जोखिम बना हुआ है।

विदेशी मुद्रा संकट के बीच श्रीलंका ने ईंधन खरीद को भारत से 50 करोड़ डॉलर का ऋण मांगा

कोलंबोः श्रीलंका सरकार ने शनिवार को कहा कि वह विदेशी मुद्रा संकट के बीच तेल की खरीद का भुगतान करने के लिए भारत से 50 करोड़ डॉलर का ऋण सुनिश्चत करने का प्रयास कर रही है। इस संबंध में ऊर्जा मंत्री उदय गम्मनपिला ने कहा, ''ऋण प्रस्ताव को मंजूरी के लिए वित्त विभाग को भेजा गया है। उसके बाद इसे मंत्रिमंडल को पेश किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने पहले ही ईंधन की खरीद के लिए ओमान से 3.6 अरब डॉलर के कर्ज को मंजूरी दे दी है। गम्मनपिला ने इससे पहले एक बयान में कहा था कि विदेशी मुद्रा संकट और कच्चे तेल की उच्च वैश्विक कीमतों के बीच देश में ईंधन की मौजूदा उपलब्धता की गारंटी अगले साल जनवरी तक ही दी जा सकती है। देश की पेट्रोलियम कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) द्वारा ईंधन की कीमतों में वृद्धि की आशंका को देखते हुए देश के कई इलाकों में बृहस्पतिवार से ही पेट्रोल पंपों पर लंबी कतरे लगी हुई हैं।

भारतीय लैपटॉप बाजार में चिप की कमी ने नए ब्रांडों को किया प्रभावित

नई दिल्ली।

पिछले साल शाओमी और रीयलमी जैसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांडों ने भारत में लैपटॉप बाजार में प्रवेश किया, तो उनसे मौजूदा दिग्गजों को प्रभावित करने की उम्मीद थी। हालांकि, चिप की कमी और आपूर्ति की कमी ने इस लैपटॉप बाजार को प्रभावित किया है। उद्योग के विशेषज्ञों के अनुसार, चिप की कमी ने स्मार्टफोन निमार्ताओं के लैपटॉप श्रेणी में प्रवेश करने की समस्या दोगुना बढ़ा दी। नवकेंद्र सिंह, अनुसंधान निदेशक, क्लाइंट डिवाइसेस और आईपीडीएस, आईडीसी इंडिया ने कहा, भारत में पारंपरिक पीसी बाजार (डेस्कटॉप, नोटबुक और वर्कस्टेशन सहित) एचपी इंक, लेनोवो और डेल मजबूत बना रहा क्योंकि दूसरी तिमाही में शिपमेंट में साल-दर-साल 50.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नोटबुक पीसी ने सभी श्रेणी में तीन-चौथाई से अधिक हिस्सेदारी जारी रखी है और 2021 के दूसरी तिमाही में 49.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो लगातार चौथी तिमाही में 2 मिलियन से अधिक इकाइयों के साथ है। डेस्कटॉप ने भी रिकवरी का संकेत दिया है। प्रभु राम, हेड, इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप, सीएमआर के अनुसार, महामारी के कारण घर से काम करना और ऑनलाइन क्लास से संबंधित पीसी की मांग बढ़ रही है। राम ने आईएएनएस से कहा, मौजूदा आपूर्ति श्रृंखला बाधाओं के बावजूद, त्योहारी सीजन में पीसी बाजार के नेता अपने ब्रांड की प्रमुखता और बाजार हिस्सेदारी हासिल करना जारी रखेंगे। एचपी ने भारत पीसी बाजार में 33.6 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अपनी बढ़त बनाए रखी क्योंकि इसके शिपमेंट में सालाना 54.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। डेल टेक्नोलॉजीज ने 22.1 प्रतिशत हिस्सेदारी और इस साल की दूसरी तिमाही में 86.1 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ दूसरा स्थान जारी रखा। लेनोवो ने इस साल की दूसरी तिमाही में 17.8 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तीसरा स्थान बनाए रखा था।

टॉप 5 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.42 लाख करोड़ रुपए घटा, जानें किसको हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्लीः

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,42,880.11 करोड़ रुपए की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 484.33 अंक या 0.79 प्रतिशत नीचे आया। शुक्रवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 45,523.33 करोड़ रुपए घटकर 5,76,836.40 करोड़ रुपए रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 45,126.6 करोड़ रुपए के नुकसान से 16,66,427.95 करोड़ रुपए पर और टीसीएस का 41,151.94 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 12,94,686.48 करोड़ रुपए पर आ गया। सप्ताह के दौरान बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 8,890.95 करोड़ रुपए घटकर 4,65,576.46 करोड़ रुपए और एचडीएफसी बैंक की 2,187.29 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 9,31,371.72 करोड़ रुपए रह गई। इस रुख के उलट कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार पूंजीकरण 30,747.78 करोड़ रुपए बढ़कर 4,30,558.09 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 22,248.14 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 5,26,497.27 करोड़ रुपए रहा। इसी तरह एचडीएफसी की बाजार हैसियत 17,015.22 करोड़ रुपए बढ़कर 5,24,877.06 करोड़ रुपए पर और भारतीय स्टेट बैंक की 11,111.14 करोड़ रुपए के लाभ के साथ 4,48,863.34 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इन्फोसिस ने सप्ताह के दौरान 1,717.96 करोड़ रुपए जोड़े और उसका बाजार पूंजीकरण 7,29,410.37 करोड़ रुपए रहा। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस, एसबीआई और कोटक महिंद्रा बैंक का स्थान रहा।

उत्तर प्रदेश में शीतकालीन अमरूद के उत्पादन में भारी गिरावट

नई दिल्लीः

मौसम में हो रहे बदलाव का असर बागवानी फसलों पर होने लगा है और इस बार विश्व प्रसिद्ध उत्तर प्रदेश के अमरूद उत्पादन क्षेत्र में इसके शीतकालीन फसल के उत्पादन में भरी गिरावट आई है। इस बार बारिश का मौसम अत्यधिक थी और यह सितंबर तक जारी रही। बरसात के मौसम की अधिकता के कारण सर्दियों की फसल के उत्पादन के लिए फूल नहीं आए क्योंकि बारिश के मौसम की अधिक होने के कारण नए कल्ले नहीं निकले। किसानों के अनुसार सर्दियों की फसल पिछले वर्ष की फसल का लगभग 20 प्रतिशत थी। वर्षा ऋतु की फसल का अधिक मात्रा में होने का एक अन्य कारण हल्का तापमान (ग्रीष्मकाल के दौरान सामान्य तापमान से 4 से 5 डिग्री सेल्सियस कम) था। ग्रीष्मकाल के दौरान लगातार बारिश भी वर्षा ऋतु के फलों के विकास के लिए जिम्मेदार थी । प्रयागराज और कौशाम्बी उत्तर प्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण अमरूद उत्पादक क्षेत्रों में से एक है। हालांकि 2020 के दौरान, राज्य के अधिकांश भाग में फसल विफल रही, परन्तु इस विश्व प्रसिद्ध अमरूद उत्पादक क्षेत्र में जाड़े की कम फसल एक विचारणीय विषय है। प्रयागराज में सर्दियों की फसल की विफलता के कारणों की खोज और अमरूद के उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार के प्रयास के लिए पिछले दिनों एक समिति का गठन किया गया था, जिसमें केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ के निदेशक डॉ. एस. राजन, निदेशक, प्रधान वैज्ञानिक पादप रोग डॉ पी.के. शुक्ल और कीट वैज्ञानिक डॉ. गुंडप्पा शामिल थे। समिति ने सर्दियों के दौरान फसल की विफलता के कारणों को समझने के लिए अमरूद उत्पादकों, उद्यान विभाग के अधिकारियों और कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की। समस्या के विश्लेषण के लिए किसानों और अधिकारियों सहित एक केंद्रित समूह चर्चा भी आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त, प्रयागराज और कौशाम्बी के गहन अमरूद उत्पादक क्षेत्रों में विभिन्न बागों का अध्ययन किया गया। चर्चाओं और बागों के भ्रमण के आधार पर, सर्दियों के दौरान फलों की काम उत्पादकता के लिए अधिक वर्षा को जिम्मेदार माना गया। बरसात के मौसम की अधिकता के कारण सर्दियों की फसल के उत्पादन के लिए फूल नहीं आये क्योंकि बारिश के मौसम की फसल अधिक होने के कारण नए कल्ले नहीं निकले। किसानों ने बताया कि सर्दियों की फसल पिवर्ष की फसल का लगभग 20 प्रतिशत थी। वर्षा ऋतु की फसल का अधिक मात्रा में होने का एक अन्य कारण हल्का तापमान (ग्रीष्मकाल के दौरान सामान्य तापमान से 4 से 5 डिग्री सेल्सियस कम) था। ग्रीष्मकाल के दौरान लगातार बारिश भी वर्षा ऋतु के फलों के विकास के लिए जिम्मेदार थी जो अप्रैल-जून फूल से विकसित हुए थे। मृदा में पानी की कमी और उच्च तापमान, बरसात के मौसम की फसल को समाप्त करने का प्राकृतिक तरीका है। गर्मी में मिट्टी में कम नमी के कारण फूल और छोटे फल गिर जाते हैं। इस वर्ष गर्मी में नियमित वर्षा और सामान्य से कम तापमान के कारण उक्त परिस्थिति उत्पन्न नहीं हुई। परिणाम स्वरूप बरसात की फसल की फलत अधिक रही और जुलाई से सितंबर तक फूल निकलने नहीं पाये और यह स्थिति सर्दियों की कम फसल के लिए जिम्मेदार थी। नियमित बारिश के कारण फलों की मक्खी का प्रकोप अधिक था और फल इस कीट द्वारा बड़ी मात्रा में संक्रमित हुए जिससे यह उपयोग के लिए अयोग्य थे।

सिस्टेमा.बायो ने पुणे में बायोगैस संयंत्र निर्माण में 200 मिलियन रूपए का किया निवेश

नई दिल्लीः

मेक्सिको स्थित कंपनी सिस्टेमा बायो ने बायो गैस रिएक्टरों के उत्पादन के लिए पुणे के निकट एक अत्याधुनिक संयंत्र की स्थापना की है जिसका उद्देश्य किसानों को कम कीमत पर उपकरण उपलब्ध कराना तथा निर्यात को बढ़ावा देना है। सिस्टेमा.बायो के सह-संस्थापक और मुख्य उत्पादन अधिकारी, कैमिलो पेज ने आज बताया कि विनिर्माण केंद्र में 200 मिलियन रुपए का निवेश किया है। इस कदम का उद्देश्य भारत में कंपनी के पेटेंट बायोगैस रिएक्टरों का उत्पादन करना और उन्हें कम से कम कीमत पर किसानों को उपलब्ध कराना है। कैमिलो पेजेस ने कहा, ''पिछले तीन वर्षों में, हमें पूरे देश में डेयरी किसानों से अच्छी स्वीकृति मिली है। इसने हमें पुणे में अपने मुख्य कार्यालय के पास एक विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। इस उत्पादन केंद्र में एक साल में 30,000 बायोडाइजेस्टर बनाने की क्षमता होगी और इससे हमें पूरे एशिया और निकट भविष्य में अफ्रीका के किसानों की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।'' लगभग 250 एकड़ के औद्योगिक कॉरिडोर में उत्पादन सुविधा 20,000 वर्ग फुट में फैली हुई है। दिसंबर 2021 तक, सिस्टेमा.बायो इंडिया का लक्ष्य प्रति माह 2,000 बायोडाइजेस्टर के निर्माण की क्षमता हासिल करना और मार्च 2022 तक यूनिट की पूरी क्षमता हासिल करना है। इस फैक्ट्री के जरिए कंपनी 250 से ज्यादा लोगों के लिए रोजगार निर्मित करेगी। सिस्टेमा.बायो ने अपने बायोडाइजेस्टर की

लागत को 20 प्रतिशत तक कम करने की योजना बनाई है, जिससे किसान परिवारों की अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। इससे पहले, कंपनी मेक्सिको में अपनी मूल कंपनी से बायोडाइजेस्टर का आयात करता था। सिस्टेमा.बायो के बायोडाइजेस्टर छोटे किसानों को अपने खेतों की स्थिरता बढ़ाने के साथ-साथ अपनी कृषि उत्पादकता और आय बढ़ाने में मदत करता हैं। वर्तमान में, भारत में 14 राज्यों में 85,872 से अधिक लोग हैं, जो सिस्टेमा.बायो के डाइजेस्टर के साथ स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन कर रहे हैं।

क्लब हाउस जल्द ही शीर्ष चैट रूम के लिंक पिन फीचर करेगा रोलआउट

सैन फ्रांसिस्को।

लोकप्रिय ऑडियो चैट ऐप क्लबहाउस लोगों के लिए बाहरी लिंक शेयर करना और प्लेटफॉर्म पर अपने काम का मुद्रीकरण करना संभव बना रहा है। यह फीचर आईओएस और एंड्रॉयड दोनों के लिए 27 अक्टूबर से रोल आउट होगा। द वर्ज के अनुसार, क्लब हाउस के सीईओ पॉल डेविसन और मार्केटिंग के वैश्विक प्रमुख माया वॉटसन ने एक नई पिन किए गए लिंक फीचर की घोषणा की, जो मॉडरेटर को एक शीर्ष रूम चैट पर बाहरी लिंक शेयर करने की अनुमति देगा। ये लिंक श्रोताओं को किसी भी मॉडरेटर को निर्देशित कर सकते हैं, जैसे पैट्रियन पेज, समाचार लेख या पॉडकास्ट। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि सुरक्षा और संयम कारणों से कुछ लिंक की अनुमति नहीं दी जाएगी। डेविसन ने स्पष्ट रूप से उन लिंक के प्रकारों का नाम नहीं बताया जिनकी अनुमति नहीं होगी,लेकिन उन्होंने सुझाव दिया कि केवल फैन्स के लिंक स्वीकार नहीं किए जाएंगे क्योंकि पोर्न लिंक प्रतिबंधित है। कोई भी व्यक्ति लिंक जोड़ सकता है, बदल सकता है या हटा सकता है, जब तक कि वे एक रूम के मॉडरेटर हैं और उनके फोल्लोवर्स की संख्या की परवाह किए बिना। क्लबहाउस लिंक के माध्यम से होने वाले किसी भी लेन-देन से राजस्व में कटौती नहीं करेगा, हालांकि डेविसन ने कहा कि टीम आने वाले महीनों में उन तरीकों के बारे में समाचार साझा करेगी, जिसमें ऐप स्वयं मुद्रीकरण करेगा।

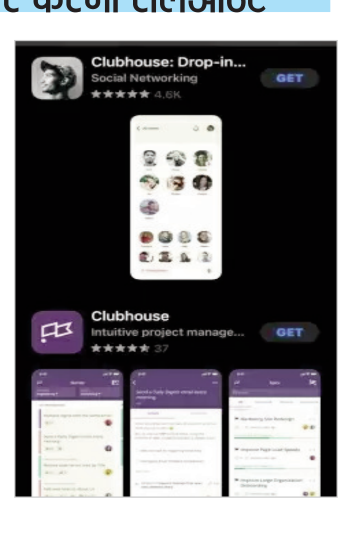

भारत में एयरलाइंस के परिचालन की लागत काफी ऊंची, एईआरए को सशक्त करने की जरूरतः आईएटीए

नई दिल्लीः

भारत में एयरलाइंस के परिचालन की लागत काफी ऊंची है और ऐसे में जरूरी है कि विमानपत्तन आर्थिक नियामक प्राधिकरण (एईआरए) को और सशक्त किया जाए, जिससे यात्रियों के हितों का संरक्षण हो सके। अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) के एशिया-प्रशांत के लिए क्षेत्रीय उपाध्यक्ष फिलिप गोह ने यह राय जताई है। एईआरए किसी अवधि के लिए हवाईअड्डे के खर्च और आमदनी के अनुमान के आधार पर शुल्क तय करता है। एईआरए द्वारा यह निर्धारित किया जाता है कि किसी अवधि के लिए कोई हवाईअड्डा एयरलाइन या यात्रियों से कितना मूल हवाईअड्डा शुल्क, विमान उतारने का शुल्क, पार्किंग शुल्क और यात्री सेवा शुल्क वसूलेगा। गोह ने पिछले सप्ताह कहा, ''पिछले साल के दौरान देश के प्रमुख हवाईअड्डों पर तीसरी नियंत्रण वाली अवधि की शुल्क समीक्षा के दौरान एईआरए ने स्वतंत्र नियामक के रूप में काफी अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा, ''ऐसे समय जबकि सरकार राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन के तहत हवाईअड्डों की संपत्तियों के मौद्रिकरण पर जोर दे रही है, यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि एईआरए को सशक्त किया जाए, जिससे उपभोक्ता हितों का संरक्षण हो सके।'' पिछले साल फरवरी में कोरोना वायरस महामारी शुरू होने के बाद एईआरए ने दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े हवाईअड्डों की तीसरी नियंत्रण अवधि में शुल्कों में बड़ी बढ़ोतरी की मांग को खारिज कर दिया था। यह अवधि अप्रैल, 2019 से शुरू होकर मार्च, 2024 में खत्म होगी। उदाहरण के लिए एईआरए ने दिसंबर, 2020 में दिल्ली हवाईअड्डे की परिचालक डायल की मूल हवाईअड्डा शुल्क में 424 प्रतिशत की वृद्धि की मांग को ठुकरा दिया था। इसी तरह उसने फरवरी, 2021 में मुंबई हवाईअड्डे की परिचालक की घरेलू उड़ानों के यात्रियों पर 200 रुपए और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के यात्रियों पर 500 रुपए का तदर्थ प्रयोगकर्ता विकास शुल्क लगाने की मांग को भी खारिज कर दिया था। गोह ने कहा कि यही वजह है कि स्वतंत्र हवाईअड्डा नियामक के रूप में एईआरए की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। अन्यथा हवाईअड्डों द्वारा बिना न्यायोचित आधार, पारदर्शिता तथा निगरानी के शुल्कों में बढ़ोतरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऊंची लागत के वातावरण में हवाईअड्डा शुल्क समस्या का सिर्फ एक हिस्सा है।

उद्योग ने विकास को बढ़ावा देने के लिए लेदर पार्क योजना की मांग की

नई दिल्लीः

चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) ने शनिवार को सरकार से उत्पादन बढ़ाने के लिए एक लेदर पार्क योजना लाने का आग्रह किया। परिषद को यह उम्मीद है कि कई बड़े ब्रांड और निर्माता, भारत से इसकी खरीद बढ़ा सकते हैं।

सीएलई के अध्यक्ष संजय लीखा ने यह भी कहा कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) का लाभ चमड़ा क्षेत्र को भी दिया जाना चाहिए। उन्होंने एक में कहा बयान में कहा, ''एक लेदर पार्क योजना आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान कर सकती है। इसलिए, चमड़ा क्षेत्र को टेक्सटाइल पार्कों के लिए घोषित योजना की तर्ज पर चमड़ा पार्क योजना में शामिल किया जा सकता है, क्योंकि कपड़ा और चमड़ा उद्योग के बीच पर्याप्त समानता है।'' निर्यात बढ़ाने के लिए, अध्यक्ष ने 'वेट ब्ल्यू,' 'क्रस्ट' और तैयार चमड़े पर मूल सीमा शुल्क छूट को बहाल करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ''उद्योग की निर्यात प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, कम ब्याज दरों और लचीले पुनर्भुगतान विकल्पों के साथ अतिरिक्त ऋण दिए जाने पर विचार करना चाहिए।'' वह एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कानपुर में चमड़ा क्षेत्र के लिए अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण प्रयोगशाला का शिलान्यास किया, जिसका उद्देश्य विदेशी खरीदारों की शर्तों के अनुसार निर्यात उत्पादों की परीक्षण आवश्यकताओं में मदद करना है। परिषद ने कहा कि मंत्री ने चमड़ा उद्योग की चिंताओ के निवारण और उसे सभी प्रकार का समर्थन देने का आश्वासन दिया। कानपुर देश में औद्योगिक सुरक्षा जूते, काठी और हार्नेस वस्तुओं का सबसे बड़ा विनिर्माण केंद्र है और यह तैयार चमड़े और मूल्य वर्धित उत्पादों और जूते का एक प्रमुख उत्पादन केंद्र भी है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फीडे ग्रांड स्विस शतरंज आज से शुरू - विदित और हरिका पर होंगी नजरे

रीगा , लातविया (निकलेश जैन) आज से शुरू होने जा रहे फीडे ग्रांड स्विस को लातविया सरकार नें देश में लगे लॉकडाउन के बाद भी आयोजन की हरी झंडी दे दी है । इस टूर्नामेंट से 2 खिलाड़ियों को सीधे फीडे कैंडीडेट में प्रवेश दिया जाएगा आपको बता दे फीडे कैंडीडेट जीतने वाला खिलाड़ी ही विश्व शतरंज चैम्पियनशिप का फाइनल खेलता है और विश्व चैम्पियन को चुनौती देता है । प्रतियोगिता के आयोजन पर पिछले 10 दिनो से संकट के बादल हटते ही दुनिया भर के खिलाड़ी कड़ी सुरक्षा मापदंडो के तहत रीगा पहुँच चुके है । प्रतियोगिता में भारत के विदित गुजराती को नौवीं वरीयता दी गयी है जबकि महिला वर्ग में हरिका को पाँचवीं वरीयता दी गयी है , अभी कुछ दिन पहले ही विदित विश्व कप के क्वाटर फाइनल में पहुँचने वाले दूसरे भारतीय बने थे तो हरिका ने विश्व टीम स्पर्धा में व्यक्तिगत रजत पदक हासिल किया था विदित समेत कुल 12 भारतीय खिलाड़ी इस प्रतियोगिता मे पुरुष वर्ग में खेलेंगे अन्य भारतीय खिलाड़ियों में पेंटाला हरीकृष्णा को 12 वीं ,अधिबन भास्करन को 33वीं ,निहाल सरीन को 51वीं ,गुकेश डी को 62वीं ,कृष्णन शशिकीरण को 65वीं ,अर्जुन एरिगासी को 70वीं ,एसपी सेथुरमन को 89वीं,प्रगानंधा को 90,सूर्या शेखर गांगुली को 91वीं ,अरविंद चितांबरम को 93वीं ,रौनक साधवानी को 94वीं वरीयता दी गयी है ।

विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता मंजू रानी ने राष्ट्रीय मक्केबाजी में दबदबे के साथ किया आगाज

हिसार (एजेंसी) ।

उम्मीदों पर खरी उतरते हुए विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता मंजू रानी ने शनिवार को हरियाणा के हिसार के सेंट जोसेफ इंटरनेशनल स्कूल में चल रही 5वीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत किया। रेलवे स्पोट्र्स प्रमोशन बोर्ड (आरएसपीबी) की मुक्केबाज मंजू, जिन्होंने 2019 में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करते हुए रजत जीतकर सुर्खियां बटोरीं थीं, ने हरियाणा बॉक्सिंग संघ के सहयोग से बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित आयोजन के तीसरे दिन शनिवार को 48 किग्रा भार वर्ग में दूसरे दौर का मैच 5-0 से जीता। उनके सामने उड़ीसा की भबानी बारिक थीं। हरियाणा की ही नीतू ने भी उतना ही अच्छा प्रदर्शन किया और उन्होंने 48 किग्रा भार वर्ग में एकतरफा मुकाबले में राजस्थान की स्वस्ति आर्य को एकतरफा अंदाज में समान अंतर से हराया। इस बीच, 50 किग्रा भार वर्ग के दूसरे दौर में पंजाब की कोमल और आंध्र प्रदेश की राम्या गुडुरू ने कड़ी टक्कर के बाद जीत दर्ज की। जहां कोमल ने मध्य प्रदेश की दीपा कुमार के खिलाफ 3-2 से जीत दर्ज की, वहीं आंध्र प्रदेश की राम्या गुडुरु ने उत्तर प्रदेश की रिंकी किशोर को 4-1 से हराया। इससे पहले चैंपियनशिप के दूसरे दिन, जिसमें देश भर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तथा बोडरं के 320 से अधिक मुक्केबाज भाग ले रहे हैं, दो बार की एशियाई चैंपियन पूजा रानी ने अखिल भारतीय पुलिस की पिंकी के खिलाफ एकतरफा अंदाज में 5-0 की आसान जीत हासिल का। भिवानी जिले की रहने वाली पूजा ने 2021 टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। कोविड-19 महामारी के बाद घरेलू सकिर्ट के फिर से शुरू होने के बाद से यह छठी राष्ट्रीय चैंपियनशिप जिसका आयोजन बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) करा रहा है। इससे पहले बीएफआई ने जूनियर, युवा और पुरुषों के राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का सफल आयोजन किया है। चैंपियनशिप मुक्केबाजी की वैश्विक नियामक संस्था-एआईबीए के 12 भार वर्गों के अनुसार खेली जा रही है। ये भार वर्ग हैं- 48 किग्रा, 50 किग्रा, 52 किग्रा, 54 किग्रा, 57 किग्रा, 60 किग्रा, 63 किग्रा, 66 किग्रा, 70 किग्रा, 75 किग्रा, 81 किग्रा और +81 किग्रा। इस चैंपियनशिप के स्वर्ण और रजत पदक विजेता राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में स्थान अर्जित करेंगे। प्रत्येक श्रेणी में शिविर के लिए शेष दो नामों का चयन सेलेक्शन ट्रायल में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा, जो कि इस प्रतियोगिता के ठीक बाद आयोजित होगा।

टी20 वर्ल्ड कप : अफगानिस्तान के स्पिनरों से निपटने को तैयार स्कॉटलैंड के बल्लेबाज

शारजाह (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के सुपर 12 मुकाबले में सोमवार को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में अफगानिस्तान और स्कॉटलैंड के बीच मैच होने वाला है। इस बीच, स्कॉटलैंड के बल्लेबाज कैलम मैकलियोड ने अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान के बारे में कहा कि हम उनकी चुनौतियों का सामना करने को तैयार हैं।मैकलियोड ने कहा, यूएई की धीमी पिचों पर अफगानिस्तान के स्पिनरों को खेलना एक चुनौती होगी और स्कॉटलैंड के खिलाड़ियों को यहां बहुत धैर्य के साथ बल्लेबाजी करनी होगी। टीम ने यहां क्वोलिफायर मैच में बांग्लादेश को छह रन से हराकर सुपर 12 में जगह बनाई थी। मैकलियोड ने कहा, अफगानिस्तान के पास वर्ल्ड क्लास स्पिनर्स मौजूद है, ऐसे में आपको अपनी अच्छी बल्लेबाजी से उन पर ही दबाव बनाना जरूरी होगा। स्कॉटलैंड के खिलाड़ियों को यहां की धीमी पिचों पर प्रदर्शन करने के लिए टिककर खेलना होगा।

मास्टर्स चैंपियन मात्सुयामा ने जोजो गोल्फ चैम्पियनशिप का खिताब जीता

चीबा (एजेंसी) ।

मास्टर्स चैम्पियन हिदेकी मात्सुयामा ने चौथे दौर के आखिरी नौ होल में तीन बर्डी और एक ईगल लगाकर पांच अंडर 65 के स्कोर के साथ पीजीए टूर जोजो गोल्फ चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया। उन्होंने 18वें होल में ईगल लगाकर 5 शॉट के बड़े अंतर से शानदार जीत दर्ज की। उनका कुल स्कोर 15 अंडर 265 रहा। जापान में पीजीए टूर में यह उनका पहला खिताब है। अमरीका के दो खिलाड़ी ब्रैंडन स्टील और कैमरन ट्रिंग 10 अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। स्टील ने चौथे दौर में 66 जबकि ट्रिंग ने 69 का कार्ड खेला। ब्रिटिश ओपन चैम्पियन कोलिंस मोरिकावा ने आखिरी दौर में 69 का कार्ड खेला और वह मात्सुयामा से 10 शॉट पीछे संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहे। ओलिम्पिक चैम्पियन जेंडर शॉफेले ने 68 का कार्ड खेला और पार स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 28वें स्थान पर रहे।

दो नई टीमों के आने से बीसीसीआई का भरेगा खजाना

नीलामी में मिल सकती है 20 हजार करोड़ की राशि

मुम्बई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने साल 2022 से होने वाले आईपीएल के 15 सत्र के लिए दो टीमें बढ़ाने का जो फैसला किया है उससे बोर्ड पर पैसों की बरसात हो सकती है। दो नई टीमों से ही बोर्ड को करीब 20 हजार करोड़ रुपये मिल सकते हैं क्योंकि बीसीसीआई को एक नई फ्रेंचाइजी से ही 7 से 10 हजार करोड़ रुपए मिलने की उम्मीदें हैं। नई टीमों के लिए अगले सप्ताह से ही बोली प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। गौरतलब है कि अब तक 22 अलग-अलग कंपनियों ने बोली लगाने के लिए 10 लाख रुपए में टेंडर दस्तावेज खरीदे हैं हालांकि दो नई टीमों के लिए बीसीसीआई ने आधार मूल्य ही दो हजार करोड़ रुपए रखा है। ऐसे में 22 में 5-6 कंपनियां भी आखिरी दौर में टीमों की खरीदने की दौड़ में शामिल रहेंगी। बीसीसीआई ने नई फ्रेंचाइजी के लिए बोली लगाने के लिए तीन कंपनियों या व्यक्तियों के एक संघ को भी अनुमति दी है हालांकि शर्त यह है कि किसी व्यक्ति या कंपनी के मामले में उस विशेष इकाई का सालाना टर्न ओवर कम से कम तीन हजार करोड़ रुपए होना जरूरी है और कंपनियों के समूहों के मामले में अलग से हर कंपनी का सालाना टर्नओवर 2500 करोड़ रुपए का होना चाहिए। ऐसे में गौतम अडानी और उनकी कंपनी अडानी ग्रुप अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के लिए बोली लगाने की उम्मीद है। अगर अडानी समूह बोली लगाता है, तो अहमदाबाद फ्रेंचाइजी खरीदने की दौड़ में वो सबसे आगे होंगे। ठीक इसी तरह, आरपीएसजी ग्रुप के मालिक संजीव गोयनका भी नई फ्रेंचाइजी के लिए बोली लगा सकते हैं हालांकि, यह अब तक साफ नहीं हो पाया है कि आरपीएसजी ग्रुप अकेले बोली लगाएगी या कंपनियों के समूह के साथ उतरेगी। जिस तरह से आईपीएल के प्रसारण अधिकार 36 हजार करोड़ रुपए में बिकने की उम्मीद जताई जा रही है उसे देखते हुए नई फ्रेंचाइजी की कीमत भी बढ़कर 3500 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है।

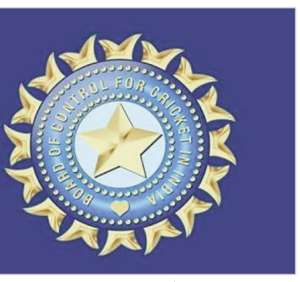

संक्षिप्त समाचार

नडाल ईवी-6 क्रॉसओवर का करेंगे इस्तेमाल, किआ ने लॉन्च किया मॉडल

चेन्नई। टेनिस कोर्ट को अपने दमदार खेल से जगमगा देने वाले स्पेनिश स्टार राफेल नडाल कोरियाई कार निर्माता किआ कॉर्पोरेशन द्वारा बनाए गए इलेक्ट्रिक-पावर्ड ईवी6 क्रॉसओवर कार का इस्तेमाल करेंगे। स्पेन के मैलोर्का के मैनाकोर में राफा नडाल अकादमी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किआ ने टेनिस स्टार को ईवी6 जीटीलाइन सौंपी। इसके बाद, किआ ने यूरोप में मॉडल लॉन्च किया। किआ ने एक बयान में कहा, नडाल मल्लोर्का में अपनी व्यक्तिगत गतिशीलता के साथ-साथ 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन जैसे प्रमुख टेनिस टूर्नामेंटों में सक्रिय रूप से ईवी 6 क्रॉसओवर का उपयोग करेंगे। किआ ने कहा, इसके अलावा, उन्होंने 2022 तक राफा नडाल अकादमी और राफा नडाल फाउंडेशन में उपयोग किए जाने वाले सभी वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने के लिए अपनी रुचि जाहिर की है। नडाल ने कहा, स्वाभाविक रूप से मेरे काम में मुझे अधिक यात्रा की आवश्यकता होती है,और मेरी जीवनशैली पूरी तरह से ठहरी हुई नहीं है। लेकिन मैं आवश्यक परिवर्तन करने के लिए दृढ़ हूं और इसलिए ईवी 6 क्रॉसओवर का इस्तेमाल करूंगा। किआ के ग्लोबल ब्रांड और कस्टमर एक्सपीरियंस डिवीजन के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हेड आर्टूर मार्टिंस ने कहा, किआ में हम अपने विचारों पर दृढ़ता से विश्वास करते हैं, जो लोगों को प्रेरित करते हैं। ईवी 6 वह मॉडल है, जो हमारे इस नए ब्रांड का प्रतीक है और हम पिछले 15 वर्षों से अपनी वैश्विक ब्रांड एंबेसडर के रूप में राफा को अपनी टीम में देखकर गौरवान्वित महसूस करते हैं।

कोरोना माहमारी के कारण प्रायोजक तलाशना कठिन रहा : दीपा

चेन्नई । भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) की अध्यक्ष दीपा मलिक ने कहा है कि कोरोना महामारी के टोक्यो पैरालंपिक खेलों के लिए प्रायोजक की तलाश कठिन हो गयी थी। दीपा ने कहा कि यह पीसीआई की सोच में आये बदलाव से ही संभव हुआ कि खिलाड़ियों ने कठिन हालातों के बाद भी काफी पदक जीते। उन्होंने कहा कि इसके लिए खिलाड़ियों के साथ ही पीसीआई की भी तारीफ होनी चाहिए। पीसीआई ने खिलाड़ियों के विकास को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम बनाया। दीपा ने एक सम्मान समारोह में कहा कि पीसीआई यह तय करता है कि खिलाड़ियों को किसी भी चीज की कमी ना हो।'' उन्होंने कहा, '' कोविड-19 महामारी के कारण पीसीआई को भी संघर्ष करना पड़ा था, हमें उम्मीद के अनुसार प्रायोजन नहीं मिल पा रहे थे।

स्टोइनिस ने कहा- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के दौरान मैंने अपनी भावनाओं पर किया कंट्रोल

अबु धाबी (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में सुपर 12 का स्टेज शुरू हो चुका है। वहीं, शनिवार को खेले गए मैच में ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 5 विकेट से हराया। इस मैच को लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मार्कस स्टोइनिस ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में खेलते हुए उन्हें अपनी भावनाओं पर कंट्रोल करना पड़ा।

स्टोइनिस जो ग्रीक मूल के एक ऑस्ट्रेलियाई निवासी हैं, उन्होंने अंतिम ओवर में मैथ्यू वेड के साथ मिलकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में फिनिशर का रोल अदा किया। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 24 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। स्टोइनिस ने कहा, मैं एक ग्रीक ऑस्ट्रेलियाई होने के नाते पूरे मैच में शांत रहने की कोशिश कर रहा था। लेकिन यह मेरे लिए बहुत कठिन था। क्योंकि मैच के आखिरी क्षण में मेरी भावनाएं उत्पन्न होने लगी थी। फिर मैंने अपने पार्टनर से बातचीत शुरू कर दी और विरोधी टीम के गेंदबाजों देखकर अच्छे से खेलता चला गया और मैच को अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा, हमने ऐसे छोटे टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत की है। आगे हम और बेहतर प्रदर्शन करने पर ध्यान देंगे। क्योंकि आप हमेशा जीतना चाहते है। जिससे आपको अच्छा महसूस हो।

महिला बिग बैश लीग में हरमनप्रीत का हरफनमौला प्रदर्शन, मेलबर्न को दिलाई जीत

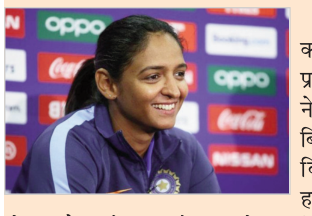

मेलबर्न । भारत की हरमनप्रीत कौर के बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर मेलबर्न रेनेगेड्स ने सिडनी सिक्सर्स को महिला बिग बैश लीग में रविवार को सात विकेट से शिकस्त दे दी। हरमनप्रीत ने इस मैच में 17 रन देकर दो विकेट झटके जिसमें एश्ली गार्डनर और एलिसा हीली के क़ीमती विकेट भी शामिल हैं, इसके बाद उन्होंने बल्ले से भी कमाल किया। हरमनप्रीत ने सिर्फ 29 गेंदों पर तेज तर्रार 35 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए रेनेगेड्स को 18 गेंद शेष रहते हुए जीत दिला दी। अपनी इस पारी के दौरान हरमनप्रीत ने लगातार दो गेंदों पर दो लंबे छक्के भी जड़े। इससे पहले सलामी बल्लेबाज़ ईव जोंस ने 38 रनों की पारी खेली, उन्होंने नई सलामी साझेदार जेमिमाह रॉड्रिग्स के साथ पहले विकेट के लिए 43 रन जोड़े। रॉड्रिग्स ने 15 गेंदों पर 14 रन बनाए, उन्हें राधा यादव ने रन आउट कराया। इससे पहले सिडनी सिक्सर्स की पारी की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही थी जब सोफी मोलिन्यू ने मैच की तीसरी गेंद पर ही शेफ़ाली वर्मा को बिना खाता खोले पवेलियन की राह दिखा दी। मोलिन्यू ने अपने चार ओवर में महज़ 18 रन देकर एक विकेट लिया। हरमनप्रीत कौर ने गार्डनर और हीली को जल्दी जल्दी अपना शिकार बना लिया था। एक समय सिडनी का स्कोर 12/3 रन हो गया था लेकिन फिर बल्लेबाज़ी करने आईं एलिसा पेरी ने 51 गेंदों पर 50 नाबाद रनों की पारी खेली और टीम को संकट से उबारा। उन्होंने निकोल बोल्टन के साथ चौथे विकेट के लिए 80 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। हरमनप्रीत कौर ने चार ओवर में सिर्फ 17 रन खर्च किए और दो विकेट भी झटके। रनों का पीछा करने उतरी जोंस और रॉड्रिग्स ने आक्रामक शुरुआत की, हालांकि रॉड्रिग्स और जोंस के बीच तालमेल में कमी की वजह से रेनेगेड्स ने अपना पहला विकेट रनआउट के तौर पर खो दिया था। जोंस को स्टेला कैंपबेल ने अपना शिकार बना लिया था। लेकिन गेंद से कमाल करने वाली हरमनप्रीत ने बल्ले से भी शानदार पारी खेलते हुए टीम को जीत की मंज़िल तक पहुंचाया। हरमनप्रीत को उनके इस मैच जिताऊ प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से भी नवाजा गया।

टी20 विश्व कप : श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाड़ी आपस में भिड़े , अंपायरों ने हटाया

शारजाह (एजेंसी)।

बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर 12 राउंड के तीसरे मैच में दोनो ही टीमों के खिलाड़ी आपस में भिड़ गये। जिसके बाद दोनों ही खिलाड़ियों को अंपायर्स ने हटाया। दरअसल पहले बल्लेबाजी के लिए आई बांग्लादेश की टीम के लिए लिटन दास और मोहम्मद नईम बल्लेबाजी के लिए आए। दोनों ही बल्लेबाजों ने बांग्लादेश को अच्छी शुरूआत दी और तेजी से रन बनाने शुरू किए। पर इस दौरान श्रीलंका के गेंदबाज लाहिरू कुमारा ने लिटन दास को आउट करके श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। आउट होने के बाद लिटन दास तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा से भिड़ गए। दोनों ही खिलाड़ियों के बीच मैदान में बहस भी शुरू हो गई। इस दौरान लिटन दास ने लाहिरू कुमारा पर बल्ले तान दिया। दोनों ही खिलाड़ियों को अन्य साथियों ने अलग किया। दोनों खिलाड़ियों की बहस की यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है और प्रशंसकों ने इस पर नाराजगी व्यक्त की है। गौर हो कि बांग्लादेश और श्रीलंका दोनों ही टीमें सुपर 12 में अपनी जगह बना पाने में कामयाब नहीं हो पाई थी। जिस वजह से इन दोनों ही टीमों को क्वालिफाइंग राउंड खेलना पड़ा है।

टी20 विश्व कप : इंग्लैंड से बड़ी हार के बाद पोलार्ड बोले, हमें आगे बढ़ने की जरूरत है

दुबई (एजेंसी)।

इंग्लैंड के खिलाफ छह विकेट से करारी हार के बाद वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने शनिवार को कहा कि यह एक अस्वीकार्य प्रदर्शन था, लेकिन टीम को इसे भूलकर 2021 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के आगामी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करनी चाहिए।

आदिल राशिद (2/4), टाइमल मिल्स (2/17), मोइन अली (2/17), क्रिस वोक्स (1/12), क्रिस जॉर्डन (1/7) ने गेंद से कहर बरपाया, क्योंकि इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को ढेर कर दिया 20 ओवर में सिर्फ 55 रन बनाकर। जवाब में इंग्लैंड ने 8.2 ओवर में छह विकेट लेकर लक्ष्य को हासिल कर लिया। पोलार्ड ने कहा, व्याख्या करने के लिए बहुत कुछ नहीं है। यह एक अस्वीकार्य प्रदर्शन था, लेकिन हमें इसे ठोड़ी पर ले जाने और आगे बढ़ने की आवश्यकता है। यह हमारी पट्टियों को खोजने की बात है, हमें बोर्ड पर एक फाइटिंग टोटल लाने का एक तरीका खोजना होगा। पोलार्ड ने मैच के बाद की प्रस्तुति में कहा, आज एक ऐसा दिन था, जहां हमें वह संतुलन नहीं मिला, लेकिन हमें इसे भूलकर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा, यह एक अंतर्राष्ट्रीय खेल है, ऐसे दिन होते हैं, लेकिन हमें एक समाधान खोजने की जरूरत है। हमने दुनिया भर में बहुत सारे टी 20 क्रिकेट खेले हैं, यह कुछ ऐसा है जिसे हम सभी ने अनुभव किया है, आपको ऐसे दिनों को स्वीकार करना होगा। आगामी मैचों के बारे में बात करते हुए, विंडीज कप्तान ने कहा, प्रत्येक खेल महत्वपूर्ण है, हमारे पास अभी भी टूर्नामेंट में चार गेम हैं और हमें आगे देखना होगा। पोलार्ड ने गेंद के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए युवा अकील होसेन (2/24) की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, चोट के कारण मौका मिला, चीजें एक कारण से होती हैं, उन्होंने (होसीन) घरेलू क्रिकेट में कड़ी मेहनत की है, उनका रवैया शानदार है, उनमें काफी ऊर्जा है और यह शानदार है।

डेनमार्क में महिलाओं के युगल सेमीफाइनल में खेलती हुई थाईलैंड की जोंगकोलफान व हुआंग डोनगपिंग।

अधिकतर हिन्दुओं के पास अपने ही धर्मग्रंथ को पढ़ने की फुरसत नहीं है। वेद, उपनिषद पढ़ना तो दूर, वे गीता तक को नहीं पढ़ते जबकि गीता को 1 घंटे में पढ़ा जा सकता है। हालांकि कई जगह वे भागवत पुराण सुनने या रामायण का अखंड पाठ करने के लिए समय निकाल लेते हैं या घर में सत्यनारायण की कथा करवा लेते हैं। लेकिन आपको यह जानकारी होना चाहिए कि पुराण, रामायण और महाभारत हिन्दुओं के धर्मग्रंथ नहीं हैं, धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं।

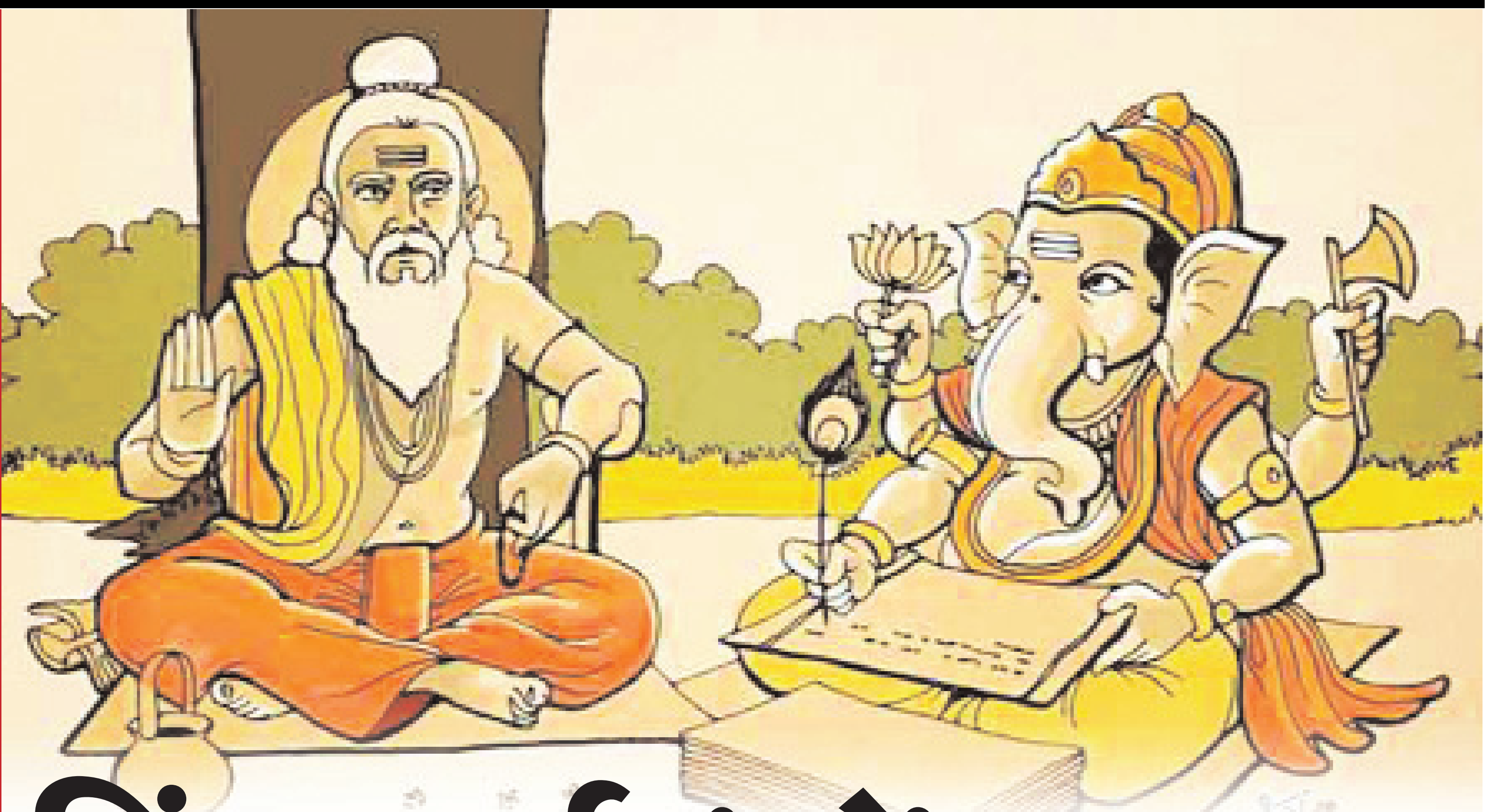

हिंदू धर्मग्रंथों का सार

जानिए किस ग्रंथ में क्या है?

शास्त्रों को 2 भागों में बांटा गया है- श्रुति और स्मृति। श्रुति के अंतर्गत धर्मग्रंथ वेद आते हैं और स्मृति के अंतर्गत इतिहास और वेदों की व्याख?या की पुस्तकें पुराण, महाभारत, रामायण, स्मृतियां आदि आते हैं। हिन्दुओं के धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं। वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। आओ जानते हैं कि उक्त ग्रंथों में क्या है।

वेदों में क्या है?

वेदों में ब्रह्म (ईश्वर), देवता, ब्रह्मांड, ज्योतिष, गणित, रसायन, औषधि, प्रकृति, खगोल, भूगोल, धार्मिक नियम, इतिहास, संस्कार, रीति-रिवाज आदि लगभग सभी विषयों से संबंधित ज्ञान भरा पड़ा है। वेद 4 हैं- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। ऋग्वेद का आयुर्वेद, यजुर्वेद का धनुर्वेद, सामवेद का गंधर्व वेद और अथर्ववेद का स्थापत्य वेद ये क्रमश: चारों वेदों के उपवेद बतलाए गए हैं।

ऋग्वेद : ऋक अर्थात स्थिति और ज्ञान। इसमें भौगोलिक स्थिति और देवताओं के आवाहन के मंत्रों के साथ बहुत कुछ है। ऋग्वेद की ऋचाओं में देवताओं की प्रार्थना, स्तुतियां और देवलोक में उनकी स्थिति का वर्णन है। इसमें जल चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सौर चिकित्सा, मानस चिकित्सा और हवन द्वारा चिकित्सा आदि की भी जानकारी मिलती है।

यजुर्वेद : यजु अर्थात गतिशील आकाश एवं कर्म। यजुर्वेद में यज्ञ की विधियां और यज्ञों में प्रयोग किए जाने वाले मंत्र हैं। यज्ञ के अलावा तत्वज्ञान का वर्णन है। तत्वज्ञान अर्थात रहस्यमयी ज्ञान। ब्रम्हांड, आत्मा, ईश्वर और पदार्थ का ज्ञान। इस वेद की 2 शाखाएं हैं- शुक्ल और कृष्ण।

सामवेद : साम का अर्थ रूपांतरण और संगीत। सौम्यता और उपासना। इस वेद में ऋग्वेद की ऋचाओं का संगीतमय रूप है। इसमें सविता, अग्नि और इन्द्र देवताओं के बारे में जिक्र मिलता है। इसी से शास्त्रीय संगीत और नृत्य का जिक्र भी मिलता है। इस वेद को संगीत शास्त्र का मूल माना जाता है। इसमें संगीत के विज्ञान और मनोविज्ञान का वर्णन भी मिलता है।

अथर्ववेद : थर्व का अर्थ है कंपन और अथर्व का अर्थ अकंपन। इस वेद में रहस्यमयी विद्याओं, जड़ी-बूटियों, चमत्कार और आयुर्वेद आदि का जिक्र है। इसमें भारतीय परंपरा और ज्योतिष का ज्ञान भी मिलता है।

उपनिषद क्या है?

उपनिषद वेदों का सार है। सार अर्थात निचोड़ या संक्षिप्त। उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक चिंतन के मूल आधार हैं, भारतीय आध्यात्मिक दर्शन के स्रोत हैं। ईश्वर है या नहीं, आत्मा है या नहीं, ब्रह्मांड कैसा है आदि सभी गंभीर, तत्वज्ञान, योग, ध्यान, समाधि, मोक्ष आदि की बातें उपनिषद में मिलेंगी। उपनिषदों को प्रत्येक हिन्दू को पढ़ना चाहिए। इन्हें पढ़ने से ईश्वर, आत्मा, मोक्ष और जगत के बारे में सच्चा ज्ञान मिलता है।

वेदों के अंतिम भाग को 'वेदांत' कहते हैं। वेदांतों को ही उपनिषद कहते हैं। उपनिषद में तत्वज्ञान की चर्चा है। उपनिषदों की संख्या वैसे तो 108 है, परंतु मुख्य 12 माने गए हैं, जैसे- 1.ईश, 2.केन, 3.कठ, 4.प्रश्न, 5.मुण्डक, 6.माण्डूक्य, 7.तैत्तिरीय, 8.ऐतरेय, 9.छांदोग्य, 10.बृहदारण्यक, 11.कौषीतकि और 12.श्वेताश्वतर।

षड्दर्शन क्या है?

गीता में क्या है?

महाभारत के 18 अध्यायों में से 1 भीष्म पर्व का हिस्सा है गीता। गीता में भी कुल 18 अध्याय हैं। 10 अध्यायों की कुल श्लोक संख्या 700 है। वेदों के ज्ञान को नए तरीके से किसी ने व्यवस्थित किया है तो वे हैं भगवान श्रीकृष्ण। अत: वेदों का पॉकेट संस्करण है गीता, जो हिन्दुओं का सर्वमान्य एकमात्र ग्रंथ है। किसी के पास इतना समय ही नहीं है कि वह वेद या उपनिषद पढ़े। उनके लिए गीता ही सबसे उत्तम धर्मग्रंथ है। गीता को बार-बार पढ़ने के बाद ही वह समझ में आने लगती है। गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्व जन्म, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है।

श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है। गीता को अर्जुन के अलावा और संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। उपरोक्त ग्रंथों के ज्ञान का सार बिंदुवार :

ईश्वर के बारे में :

ब्रह्म (परमात्मा) एक ही है जिसे कुछ लोग सगुण (साकार) तो कुछ लोग निर्गुण (निराकार) कहते हैं। हालांकि वह अजन्मा, अप्रकट है। उसका न कोई पिता है और न ही कोई उसका पुत्र है। वह किसी के भाग्य या कर्म को नियंत्रित नहीं करता। न कि वह किसी को दंड या पुरस्कार देता है। उसका न तो कोई प्रारंभ है और न ही अंत। वह अनादि और अनंत है। उसकी उपस्थिति से ही संपूर्ण ब्रह्मांड चलायमान है। सभी कुछ उसी से उत्पन्न होकर अंत में उसी में लीन हो जाता है। ब्रह्मलीन।

ब्रह्मांड के बारे में :

यह दिखाई देने वाला जगत फैलता जा रहा है और दूसरी ओर से यह सिकुड़ता भी जा रहा है। लाखों सूर्य, तारे और धरतीयों का जन्म है, तो उसका अंत भी। जो जन्मा है वह मरेगा भी। सभी कुछ उसी ब्रह्म से जन्मे और उसी में लीन हो जाने वाले हैं। यह ब्रह्मांड परिवर्तनशील है। इस जगत का संचालन उसी की शक्ति से स्वत: ही होता है, जैसे कि सूर्य के आकर्षण से ही धरती अपनी धूरी पर टिकी हुई होकर चलायमान है। उसी तरह लाखों सूर्य और तारे एक महासूर्य के आकर्षण से टिके होकर संचालित हो रहे हैं। उसी तरह लाखों महासूर्य उस एक ब्रह्मा की शक्ति से ही जगत में विद्यमान हैं।

आत्मा के बारे में :

आत्मा का स्वरूप ब्रह्म (परमात्मा) के समान है। जैसे सूर्य और दीपक में जो फर्क है उसी तरह आत्मा और परमात्मा में फर्क है। आत्मा के शरीर में होने के कारण ही यह शरीर संचालित हो रहा है। ठीक उसी तरह जिस तरह कि संपूर्ण धरती, सूर्य, ग्रह-नक्षत्र और तारे भी उस एक परमपिता की उपस्थिति से ही संचालित हो रहे हैं। आत्मा का न जन्म होता है और न ही उसकी कोई मृत्यु होती है। आत्मा एक शरीर को छोड़कर दूसरा शरीर धारण करती है। यह आत्मा अजर और अमर है। आत्मा को प्रकृति द्वारा 3 शरीर मिलते हैं- एक, वह जो स्थूल आंखों से दिखाई देता है। दूसरा, वह जिसे सूक्ष्म शरीर कहते हैं, जो कि ध्यानी को ही दिखाई देता है और तीसरा, वह शरीर जिसके कारण शरीर कहते हैं, उसे देखना अत्यंत ही मुश्किल है। बस उसे वही आत्मा महसूस करती है, जो कि उसमें रहती है। आप और हम दोनों ही आत्मा हैं। हमारे नाम और शरीर अलग-अलग हैं लेकिन भीतरी स्वरूप एक ही हैं।

स्वर्ग और नरक के बारे में :

वेदों के अनुसार पुराणों के स्वर्ग या नर्क को गतियों से समझा जा सकता है। स्वर्ग और नर्क 2 गतियां हैं। आत्मा जब देह छोड़ती है तो मूलत: 2 तरह की गतियां होती हैं- 1.अगति और 2.गति।

1.अगति : अगति में व्यक्ति को मोक्ष नहीं मिलता है उसे फिर से जन्म लेना पड़ता है।

2.गति : गति में जीव को किसी लोक में जाना पड़ता है या वह अपने कर्मों से मोक्ष प्राप्त कर लेता है।

*अगति के 4 प्रकार हैं- 1.क्षिणोदर्क, 2.भूमोदर्क, 3.अगति और 4.दुर्गति।

*क्षिणोदर्क : क्षिणोदर्क अगति में जीव पुन: पुण्यात्मा के रूप में मृत्युलोक में आता है और संतों-सा जीवन जीता है।

*भूमोदर्क : भूमोदर्क में वह सुखी और ऐश्वर्यशाली जीवन पाता है।

*अगति : अगति में नीच या पशु जीवन में चला जाता है।

*दुर्गति : दुर्गति में वह कीट-कीड़ों जैसा जीवन पाता है।

* गति के भी 4 प्रकार- गति के अंतर्गत 4 लोक दिए गए हैं- 1.ब्रह्मलोक, 2.देवलोक, 3.पितृलोक और 4.नर्कलोक। जीव अपने कर्मों के अनुसार उक्त लोकों में जाता है।

तीन मार्गों से यात्रा :

जब भी कोई मनुष्य मरता है या आत्मा शरीर को त्यागकर यात्रा प्रारंभ करती है तो इस दौरान उसे 3 प्रकार के मार्ग मिलते हैं। ऐसा कहते हैं कि उस आत्मा को किस मार्ग पर चलाया जाएगा और यह केवल उसके कर्मों पर निर्भर करता है। ये 3 मार्ग हैं- अर्चि मार्ग, धूम मार्ग और उत्पत्ति-विनाश मार्ग। अर्चि मार्ग ब्रह्मलोक और देवलोक की यात्रा के लिए होता है, वहीं धूममार्ग पितृलोक की यात्रा पर ले जाता है और उत्पत्ति-विनाश मार्ग नर्क की यात्रा के लिए है।

धर्म और मोक्ष के बारे में :

धर्मग्रंथों के अनुसार धर्म का अर्थ है यम और नियम को समझकर उसका पालन करना। नियम ही धर्म है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में से मोक्ष ही अंतिम लक्ष्य होता है। हिन्दू धर्म के अनुसार व्यक्ति को मोक्ष के बारे में विचार करना चाहिए। मोक्ष क्या है? स्थितप्रज्ञ आत्मा को मोक्ष मिलता है। मोक्ष का भावार्थ यह कि आत्मा शरीर नहीं है, इस सत्य को पूर्णत: अनुभव करके ही अशरीरी होकर स्वयं के अस्तित्व को पुख?ता करना ही मोक्ष की प्रथम सीढ़ी है।

व्रत और त्योहार के बारे में :

हिन्दू धर्म के सभी व्रत, त्योहार या तीर्थ सिर्फ मोक्ष की प्राप्त हेतु ही निर्मित हुए हैं। मोक्ष तब मिलेगा जब व्यक्ति स्वस्थ रहकर प्रसन्नचित्त और खुशहाल जीवन जीएगा। व्रत से शरीर और मन स्वस्थ होता है। त्योहार से मन प्रसन्न होता है और तीर्थ से मन और मस्तिष्क में वैराग्य और अध्यात्म का जन्म होता है।

मौसम और ग्रह-नक्षत्रों की गतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए व्रत और त्योहारों का महत्व अधिक है। व्रतों में चतुर्थी, एकादशी, प्रदोष, अमावस्या, पूर्णिमा, श्रावण मास और कार्तिक मास के दिन व्रत रखना श्रेष्ठ है। यदि उपरोक्त सभी नहीं रख सकते हैं तो श्रावण के पूरे महीने व्रत रखें। त्योहारों में मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि, नवरात्रि, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और हनुमान जन्मोत्सव ही मनाएं। पर्व में श्राद्ध और कुंभ का पर्व जरूर मनाएं।

व्रत करने से काया निरोगी और जीवन में शांति मिलती है। सूर्य की 12 और 12 चन्द्र की संक्रांतियां होती हैं। सूर्य संक्रांतियों में उत्सव का अधिक महत्व है, तो चन्द्र संक्रांति में व्रतों का अधिक महत्व है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अगहन, पौष, माघ और फाल्गुन। इसमें से श्रावण मास को व्रतों में सबसे श्रेष्ठ मास माना गया है। इसके अलावा प्रत्येक माह की एकादशी, चतुर्दशी, चतुर्थी, पूर्णिमा, अमावस्या और अधिकमास में व्रतों का अलग-अलग महत्व है। सौरमास और चान्द्रमास के बीच बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिकमास कहते हैं। साधुजन चातुर्मास अर्थात 4 महीने श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक माह में व्रत रखते हैं।

उत्सव, पर्व और त्योहार सभी का अलग-अलग अर्थ और महत्व है। प्रत्येक ऋतु में एक उत्सव है। उन त्योहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परंपरा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख वैदिक धर्मग्रंथ, धर्मसूत्र, स्मृति, पुराण और आचार संहिता में मिलता है। चन्द्र और सूर्य की संक्रांतियों के अनुसार कुछ त्योहार मनाए जाते हैं। 12 सूर्य संक्रांतियां होती हैं जिसमें 4 प्रमुख हैं- मकर, मेष, तुला और कर्क। इन 4 में मकर संक्रांति महत्वपूर्ण है। सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है छठ, संक्रांति और कुंभ। पर्वों में रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, गुरुपूर्णिमा, वसंत पंचमी, हनुमान जयंती, नवरात्रि, शिवरात्रि, होली, ओणम, दीपावली, गणेश चतुर्थी और रक्षाबंधन प्रमुख हैं। हालांकि सभी में मकर संक्रांति और कुंभ को सर्वोच्च माना गया है।

तीर्थ के बारे में :

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं, उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। तीर्थों में 4 धाम ज्योतिर्लिंग, अमरनाथ, शक्तिपीठ और सप्तपुरी की यात्रा का ही महत्व है। अयोध्या, मथुरा, काशी और प्रयाग को तीर्थों का प्रमुख केंद्र माना जाता है जबकि कैलाश मानसरोवर को सर्वोच्च तीर्थ माना गया है। बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम् और जगन्नाथपुरी ये 4 धाम हैं। सोमनाथ, द्वारका, महाकालेश्वर, श्रीशैल, भीमाशंकर, ?कारेश्वर, केदारनाथ, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, रामेश्वरम्, घृष्णेश्वर और बैद्यनाथ ये द्वादश ज्योतिर्लिंग हैं। काशी, मथुरा, अयोध्या, द्वारका, माया, कांची और अवंति उज्जैन ये सप्तपुरियां हैं। उपरोक्त कहे गए तीर्थ की यात्रा ही धर्मसम्मत है।

संस्कार के बारे में :

संस्कारों के प्रमुख प्रकार 16 बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिन्दू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है- गर्भाधान, पुंसवन, सीमंतोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह मनुष्य के सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है। उक्त संस्कारों को वैदिक नियमों के द्वारा ही संपन्न किया जाना चाहिए।

पाठ करने के बारे में :

वेदों, उपनिषद या गीता का पाठ करना या सुनना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य है। उपनिषद और गीता का स्वयं अध्ययन करना और उसकी बातों की किसी जिज्ञासु के समक्ष चर्चा करना पुण्य का कार्य है। लेकिन किसी बहसकर्ता या भ्रमित व्यक्ति के समक्ष वेद वचनों को कहना निषेध माना जाता है। प्रतिदिन धर्मग्रंथों का कुछ पाठ करने से देव शक्तियों की कृपा मिलती है। हिन्दू धर्म में वेद, उपनिषद और गीता के पाठ करने की परंपरा प्राचीनकाल से रही है। वक्त बदला तो लोगों ने पुराणों में उल्लेखित कथा की परंपरा शुरू कर दी, जबकि वेदपाठ और गीता पाठ का अधिक महत्व है।

धर्म, कर्म और सेवा के बारे में :

धर्म-कर्म और सेवा का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। साथ ही जिससे हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय हित भी साधे जाते हों अर्थात ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म-कर्म को कई तरीके से साधा जा सकता है, जैसे- 1.व्रत, 2.सेवा, 3.दान, 4.यज्ञ, 5.प्रायश्चित, दीक्षा देना और मंदिर जाना आदि।

सेवा का मतलब यह कि सर्वप्रथम माता-पिता, फिर बहन-बेटी, फिर भाई-बंधु की किसी भी प्रकार से सहायता करना ही धार्मिक सेवा है। इसके बाद अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना पुण्य का कार्य माना गया है। इसके अलावा सभी प्राणियों, पक्षियों, गाय, कुत्ते, कौओं, चींटी आति को अन्न-जल देना- ये सभी यज्ञ कर्म में आते हैं।

दान के बारे में :

दान से इन्द्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। देव आराधना का दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है। वेदों में 3 प्रकार के दाता कहे गए हैं- 1.उक्तम, 2.मध्यम और 3.निकृष?टतम। धर्म की उन्नति, रूप, सत्य विद्या के लिए जो देता है, वह उत्तम। कीर्तिं या स्वार्थ के लिए जो देता है वह मध्यम और जो वेश ?यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को देता वह निकृष्ट माना गया है। पुराणों में अन्नदान, वस्त्रदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान को ही श्रेष्ठ माना गया है, यही पुण ?य भी है।

यज्ञ के बारे में :

यज्ञ के प्रमुख 5 प्रकार हैं- ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, वैश्वदेव यज्ञ और अतिथि यज्ञ। यज्ञ पालन से ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है। नित्य संध्यावंदन, स्वाध्याय तथा वेदपाठ करने से ब्रह्म यज्ञ संपन्न होता है। देवयज्ञ सत्संग तथा अग्निहोत्र कर्म से संपन्न होता है। अग्नि जलाकर होम करना अग्निहोत्र यज्ञ है। पितृयज्ञ को श्राद्धकर्म भी कहा गया है। यह यज्ञ पिंडदान, तर्पण और संतानोत्पत्ति से संपन्न होता है। वैश्वदेव यज्ञ को भूत यज्ञ भी कहते हैं। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्तव्य समझना व उन्हें अन्न-जल देना ही भूत यज्ञ कहलाता है। अतिथि यज्ञ से अर्थ मेहमानों की सेवा करना। अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना ही अतिथि यज्ञ है। इसके अलावा अग्निहोत्र, अश्वमेध, वाजपेय, सोमयज्ञ, राजसूय और अग्निचयन का वर्णण यजुर्वेद में मिलता है।

मंदिर जाने के बारे में :

प्रति गुरुवार को मंदिर जाना चाहिए। घर में मंदिर नहीं होना चाहिए। मंदिर में जाकर परिक्रमा करना चाहिए। भारत में मंदिरों, तीर्थों और यज्ञादि की परिक्रमा का प्रचलन प्राचीनकाल से ही रहा है। मंदिर की 7 बार (सप्तपदी) परिक्रमा करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह 7 परिक्रमा विवाह के समय अग्नि के समक्ष भी की जाती है। इसी प्रदक्षिणा को इस्लाम धर्म ने परंपरा से अपनाया जिसे तवाफ कहते हैं। प्रदक्षिणा षोडशोपचार पूजा का एक अंग है। प्रदक्षिणा की प्रथा अतिप्राचीन है। हिन्दू सहित जैन, बौद्ध और सिख धर्म में भी परिक्रमा का महत्व है। इस्लाम में मक्का स्थित काबा की 7 परिक्रमा का प्रचलन है। पूजा-पाठ, तीर्थ परिक्रमा, यज्ञादि पवित्र कर्म के दौरान बिना सिले सफेद या पीत वस्त्र पहनने की परंपरा भी प्राचीनकाल से हिन्दुओं में प्रचलित रही है। मंदिर जाने या संध्यावंदन के पूर्व आचमन या शुद्धि करना जरूरी है। इसे इस्लाम में वुजू कहा जाता है।

संध्यावंदन के बारे में :

संध्यावंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। मंदिर में जाकर संधिकाल में ही संध्यावंदन की जाती है। वैसे संधि 8 वक्त की मानी गई है। उसमें भी 5 महत्वपूर्ण हैं। 5 में से भी सूर्य उदय और अस्त अर्थात 2 वक्त की संधि महत्वपूर्ण है। इस समय मंदिर या एकांत में शौच, आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है। संध्योपासना के 4 प्रकार हैं- 1.प्रार्थना, 2.ध्यान, 3.कीर्तन और 4.पूजा-आरती। व्यक्ति की जिसमें जैसी श्रद्धा है, वह वैसा करता है।

धर्म की सेवा के बारे में :

धर्म की प्रशंसा करना और धर्म के बारे में सही जानकारी को लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य होता है। धर्म प्रचार में वेद, उपनिषद और गीता के ज्ञान का प्रचार करना ही उत्तम माना गया है। धर्म प्रचारकों के कुछ प्रकार हैं। हिन्दू धर्म को पढ़ना और समझना जरूरी है। हिन्दू धर्म को समझकर ही उसका प्रचार और प्रसार करना जरूरी है। धर्म का सही ज्ञान होगा, तभी उस ज्ञान को दूसरे को बताना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को धर्म प्रचारक होना जरूरी है। इसके लिए भगवा वस्त्र धारण करने या संन्यासी होने की जरूरत नहीं। स्वयं के धर्म की तारीफ करना और बुराइयों को नहीं सुनना ही धर्म की सच्ची सेवा है।

मंत्र के बारे में :

वेदों में बहुत सारे मंत्रों का उल्लेख मिलता है, लेकिन जपने के लिए सिर्फ प्रणव और गायत्री मंत्र ही कहा गया है, बाकी मंत्र किसी विशेष अनुष्ठान और धार्मिक कार्यों के लिए है। वेदों में गायत्री नाम से छंद है जिसमें हजारों मंत्र हैं किंतु प्रथम मंत्र को ही गायत्री मंत्र माना जाता है। उक्त मंत्र के अलावा किसी अन्य मंत्र का जाप करते रहने से समय और ऊर्जा की बर्बादी है। गायत्री मंत्र की महिमा सर्वविदित है। दूसरा मंत्र है महामृत्युंजय मंत्र, लेकिन उक्त मंत्र के जप और नियम कठिन है इसे किसी जानकार से पूछकर ही जपना चाहिए।

प्रायश्चित के बारे में :

प्राचीनकाल से ही हिन्दुओं में मंदिर में जाकर अपने पापों के लिए प्रायश्चित करने की परंपरा रही है। प्रायश्चित करने के महत्व को स्मृति और पुराणों में विस्तार से समझाया गया है। गुरु और शिष्य परंपरा में गुरु अपने शिष्य को प्रायश्चित करने के अलग-अलग तरीके बताते हैं। दुष्कर्म के लिए प्रायश्चित करना तपस्या का एक दूसरा रूप है। यह मंदिर में देवता के समक्ष 108 बार साष्टांग प्रणाम, मंदिर के इर्द-गिर्द चलते हुए साष्टांग प्रणाम और कावडी अर्थात वह तपस्या, जो भगवान मुरुगन को अर्पित की जाती है, जैसे कृत्यों के माध्यम से की जाती है। मूलत: अपने पापों की क्षमा भगवान शिव और वरुणदेव से मांगी जाती है, क्योंकि क्षमा का अधिकार उनको ही है। जैन धर्म में 'क्षमा पर्व' प्रायश्चित करने का दिन है।

दीक्षा देने के बारे में :

दीक्षा देने का प्रचलन वैदिक ऋषियों ने प्रारंभ किया था। प्राचीनकाल में पहले शिष्य और ब्राह्मण बनाने के लिए दीक्षा दी जाती थी। माता-पिता अपने बच्चों को जब शिक्षा के लिए भेजते थे तब भी दीक्षा दी जाती थी। हिन्दू धर्मानुसार दिशाहीन जीवन को दिशा देना ही दीक्षा है। दीक्षा एक शपथ, एक अनुबंध और एक संकल्प है। दीक्षा के बाद व्यक्ति द्विज बन जाता है। द्विज का अर्थ दूसरा जन्म। दूसरा व्यक्तित्व। सिख धर्म में इसे अमृत संचार कहते हैं। यह दीक्षा देने की परंपरा जैन धर्म में भी प्राचीनकाल से रही है, हालांकि दूसरे धर्मों में दीक्षा को अपने धर्म में धर्मांतरित करने के लिए प्रयुक्त किया जाने लगा। हिन्दू धर्म से इस परंपरा को ईसाई धर्म ने अपनाया जिसे वे बपस्तिमा कहते हैं। अलग-अलग धर्मों में दीक्षा देने के भिन्न-भिन्न तरीके हैं। यहूदी धर्म में खतना करके दीक्षा दी जाती है।

वेद से निकला षड्दर्शन

वेद और उपनिषद को पढ़कर ही 6 ऋषियों ने अपना दर्शन गढ़ा है। इसे भारत का षड्दर्शन कहते हैं। दरअसल, यह वेद के ज्ञान का श्रेणीकरण है। ये 6 दर्शन हैं- 1.न्याय, 2.वैशेषिक, 3.सांख्य, 4.योग, 5.मीमांसा और 6.वेदांत। वेदों के अनुसार सत्य या ईश्वर को किसी एक माध्यम से नहीं जाना जा सकता। इसीलिए वेदों ने कई मार्गों या माध्यमों की चर्चा की है।

सार समाचार

कंपाला विस्फोट के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा : युगांडा राष्ट्रपति

कंपाला। युगांडा के राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी ने रविवार को नागरिकों को आश्वासन दिया कि राजधानी कंपाला में बीती रात हुए बम हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। मुसेवेनी ने ट्वीट किया, यह एक आतंकवादी कृत्य लगता है लेकिन हम अपराधियों को पकड़ेंगे। जनता को डरना नहीं चाहिए, हम इस अपराध को हरा देंगे जैसे हमने अन्य सभी अपराधों को हरा दिया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस कंपाला उपनगर कोमाम्बोगा में घटनास्थल पर है और बाद में अधिक जानकारी प्रदान करेगी और साथ ही संभावित आतंकवादी खतरों से निपटने के लिए दिशानिर्देश जारी करेगी। मुसेवेनी ने कहा कि मिली जानकारी से पता चलता है कि तीन लोगों ने एक पॉलीथीन बैग गिरा दिया, जिसमें बाद में विस्फोट हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। यह विस्फोट ब्रिटिश और फांसीसी दूतावासों द्वारा अपने नागरिकों को आतंकी हमले की चेतावनी जारी करने के कुछ दिनों बाद हुआ है।

बोत्सवाना में करीब 100 गैंडों का शिकारियों ने किया शिकार

गैबोरोन, 24 अक्टूबर (आईएएनएस)। बोत्सवाना में पिछले तीन वर्षों में शिकारियों द्वारा लगभग 100 गैंडे मारे गए हैं। एक वन्यजीव अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, बोत्सवाना के पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण और पर्यटन मंत्रालय में वन्यजीव और राष्ट्रीय उद्यान विभाग के निदेशक काबेलो सेन्यात्सो ने कहा कि देश ने 2018, 2019 और 2020 में 5, 30 और 62 गैंडे खो दिए। हालांकि, सेन्यात्सो ने यह भी कहा कि अवैध शिकार के कारण दक्षिणी अफ्रीकी देश की गैंडों की आबादी कभी भी विलुप्त होने के स्तर तक नहीं पहुंच पाएगी, क्योंकि बोत्सवाना में शिकारियों से बचाने के लिए गैंडों की प्रजातियों के लिए हमेशा कुछ खास हस्तक्षेप होंगे। सेन्यात्सो ने कहा, ओकावांगो डेल्टा के भीतर गैंडों के अवैध शिकार में वृद्धि के बाद, समस्या का समाधान करने के लिए कई पहलों को लागू किया गया था। इस पहल में पैदल और हवाई गश्त में वृद्धि, गैंडों को हटाना और गंभीर रूप से लुप्तप्राय काले गैंडों को बाड़ वाले क्षेत्रों से हटाना शामिल है। सेन्यात्सो ने कहा, बोत्सवाना में अवैध शिकार विरोधी गतिविधियों के लिए संसाधनों को तैनात करने के लिए प्रतिबद्ध है। बोत्सवाना के उत्तरी भाग में अवैध शिकार विरोधी प्रयासों को बनाए रखते हुए स्वार्थी महत्वाकांक्षा वाले लोगों द्वारा इसके समृद्ध वन्यजीव संसाधनों को नष्ट नहीं किया जाता है। पिछले महीने जारी 2021 इंटरनेशनल राइनो फाउंडेशन की स्थिति रिपोर्ट ने संकेत दिया कि बोत्सवाना में गैंडों की आबादी को एक महत्वपूर्ण अवैध शिकार का सामना करना पड़ रहा है, जबकि देश कई पहल करके इस मुद्दे को हल करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है।

कोलंबिया का मोस्ट वांटेड ड्रग तस्कर पकड़ा गया

बगोटा। कोलंबिया सरकार ने कहा है कि देश के मोस्ट वांटेड ड्रग तस्कर ओटोनियल को पकड़ लिया गया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने कहा, डेरो एंटोनियो उसुगा (50), जो खाड़ी कबीले के रूप में जाने जाने वाले देश के सबसे बड़े मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का नेतृत्व करता था, उसको एंटिओक्विया विभाग के एक ग्रामीण इलाके में पकड़ा गया था। राष्ट्रपति इवान ड्यूक मार्केज ने शनिवार को एक टेलीविजन राष्ट्रीय संबोधन में ओटोनियल के पकड़े जाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा, यह घटना 90 के दशक में पाब्लो एस्कोबार के पतन के बराबर है। ओटोनियल दुनिया में सबसे खतरनाक ड्रग तस्कर था, जो पुलिसकर्मियों, सैनिकों, सामाजिक नेताओं और नाबालिगों की भर्ती करता था। कोलंबिया के सबसे शक्तिशाली आपराधिक संगठनों में से एक, गल्फ कबीले का नेता बनने के बाद, ओटोनियल को कोलंबियाई अधिकारियों के लिए सबसे वांछित लक्ष्य में से एक माना जाता है।

दक्षिण कोरिया के विशेष आर्थिक क्षेत्र में बिना परमिट के मछली पकड़ने वाले चीनी नाव को किया गया जब्त

सियोल। अधिकारियों ने रविवार को कहा कि दक्षिण कोरिया के तटरक्षक बल ने देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में बिना परमिट के मछली पकड़ने के लिए एक चीनी नाव को जेजू के दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप से जब्त किया है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को बिना किसी अनुमति के 11 चालक दल के सदस्यों को ले जाने वाले 272 टन के जहाज पर दोपहर 12 बजे द्वीप पर सेगविपो शहर से 116 किमी दक्षिण में पानी में मछली पकड़ने की गतिविधियों का संचालन करने का संदेह है। उन पर यह भी आरोप लगाया गया है कि तटरक्षक बल द्वारा बार-बार मना करने के आह्वान के बावजूद जहाज ने भागने का प्रयास किया। अधिकारियों ने कहा कि कोविड परीक्षण के बाद तटरक्षक बल ने जहाज के कप्तान और अन्य शिपयार्ड की जांच करने की योजना बनाई है।

सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने हाउती जहाजों, बम से लदी नौकाओं को नष्ट किया

सना। यमन में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने घोषणा की है कि उसने लाल सागर में चार हाउती जहाजों और होदेइदाह शहर में बम से लदी नौकाओं के लिए एक साइट को नष्ट कर दिया है। सऊदी प्रेस एजेंसी ने ट्वीट किया कि गठबंधन ने पुष्टि की है कि सैन्य अभियानों ने बाब अल-मंडब जलडमरूमध्य और दक्षिणी लाल सागर में नेविगेशन लाइनों और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सुरक्षा में योगदान दिया है। समाचार एजेंसी ने गठबंधन के हवाले से कहा कि लक्षित जहाजों को शत्रुतापूर्ण हमलों को अंजाम देने के लिए सुसज्जित किया गया था।

तुर्की के राष्ट्रपति ने अमेरिका, फ्रांस समेत 10 देशों के राजदूतों को हटाने का आदेश दिया

इस्तांबुल (एजेंसी)। तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने शनिवार को कहा कि उन्होंने 10 विदेशी राजदूतों को 'अवांछित व्यक्ति' घोषित करने का आदेश दिया जिन्होंने जेल में बंद एक परोपकारी कारोबारी की रिहाई की मांग की है। अंकारा में अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी समेत दस देशों के राजदूतों ने इस सप्ताह की शुरुआत में एक बयान जारी कर कारोबारी और परोपकारी उस्मान कवाला के मामले के निस्तारण की मांग की है जो एक अपराध के मामले में दोषी करार नहीं दिये जाने के बाद भी 2017 से जेल में हैं। बयान को 'धृष्टता' करार देते हुए एर्दोआन ने कहा कि उन्होंने राजदूतों को अवांछित घोषित करने का आदेश दिया है। उन्होंने एक रैली में कहा, ''मैंने अपने विदेश मंत्री को निर्देश दिया और कहा कि आप इन 10 राजदूतों को अवांछित व्यक्ति घोषित करने के विषय को तत्काल संभालें।'' एर्दोआन ने कहा, ''वे तुर्की को पहचानेंगे, जानेंगे और समझेंगे।जिस दिन वे तुर्की को नहीं समझेंगे, वे यहां से चले जाएंगे।''

राजदूतों में नीदरलैंड, कनाडा, डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड, नॉर्वे और न्यूजीलैंड के राजनयिक भी शामिल हैं। उन्हें मंगलवार को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया था। किसी राजनयिक को 'पर्सोन नॉन ग्रेटा'(अवांछित व्यक्ति) घोषित करने का आशय सामान्य रूप से होता है कि व्यक्ति के उसके मेजबान देश में आगे बने रहने पर प्रतिबंध होता है। कवाला (64) को 2013 में राष्ट्रव्यापी सरकार विरोधी प्रदर्शनों से जुड़े आरोपों में पिछले साल बरी कर दिया गया था, लेकिन फैसले को बदल दिया गया और इसमें 2016 के सत्तापलट के प्रयासों से जुड़े आरोपों को शामिल कर दिया गया। अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों और मानवाधिकार समूहों ने कई बार कवाला और कुर्द राजनेता सेलाहत्तिन डेमिरतस की रिहाई की मांग की। यूरोप की मानवाधिकार अदालत ने 2019 में कवाला की रिहाई की मांग करते हुए कहा था कि उनका दोष साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है और उन्हें कैद में उनका मुंह बंद करने की खातिर रखा गया है। 'द काउंसिल ऑफ यूरोप' ने कहा था कि कवाला को रिहा नहीं किया जाता तो वह नवंबर में तुर्की के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

बीजिंग समेत के कई हिस्सों में बढ़े कोरोना केस, 43 नए मामले आए सामने

बीजिंग। चीन में कोविड-19 के 43 नए मामले सामने आए हैं जिनमें चार लोग स्थानीय मरीजों के संपर्क में आने से संक्रमित हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। बीजिंग में चार और व्यक्तियों के संक्रमित होने के कारण शहर में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 13 हो गई है। नगरपालिका स्वास्थ्य आयोग ने बताया कि उत्तरी उपनगरीय जिले चांगपिंग स्थित बेइकिजिया नगर में एक ही आवासीय परिसर में रहने वाले ये चार लोग संक्रमितों के संपर्क में आये थे। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि उन्हें कोविड-19 के लिए निर्धारित अस्पताल में भर्ती कराया गया है और जांच जारी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि इसके अलावा देश के विभिन्न हिस्सों से 39 अन्य मामले सामने आए। इसमें 17 मरीज देश में बाहर से आए हैं। शिन्हुआ की खबर के अनुसार शनिवार को कोविड-19 से किसी की मृत्यु की सूचना नहीं है।

टीएलपी को इस्लामाबाद तक लंबा मार्च रोकने के लिए गुजरांवाला में खोदा गया गड्ढा

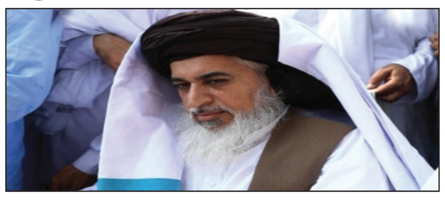

नई दिल्ली (एजेंसी)। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान सरकार ने प्रतिबंधित तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) की इस्लामाबाद की ओर एक लंबा मार्च निकालने की घोषणा के जवाब में गुजरांवाला के पास जीटी रोड पर एक गड्ढा खोद दिया है। क्रेन की मदद से एक गहरा और लंबा गड्ढा खोदा गया है, जबकि सड़कें भी पहले से कंटेनर रखकर जाम कर दी गई हैं। इस प्रकार, गुजरांवाला की ओर आने और जाने वाले सभी रास्तों को अवरुद्ध कर दिया गया है। इस बीच, जियो न्यूज ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन का एक जुलूस, (जिसके प्रतिभागियों ने लाहौर से मार्च करना शुरू किया था) सदोक पहुंच गया है। शनिवार को सरकार ने प्रतिबंधित संगठन के चार सदस्यों के साथ बातचीत की थी। लाहौर के बत्ती चौक पर, प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच दूसरे दिन भी झड़प हुई, जिसमें छह कानून प्रवर्तन कर्मी घायल हो गए। इस बीच, रिपोर्ट में कहा गया है कि इंटरनेट सेवाओं को धीरे-धीरे बहाल किया जा रहा है। शहर में सड़कों को फिर से खोला जा रहा है। हालांकि, ऑरेंज लाइन मेट्रो ट्रेन अभी भी चार दिनों के लिए बंद है। रावलपिंडी में, छठी रोड से फैजाबाद तक का मार्ग अवरुद्ध है। मुरी रोड पर कंटेनर रखे गए हैं, जिससे राहगीरों को परेशानी हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस्लामाबाद को विरोध प्रदर्शनों से सुरक्षित रखने के लिए, आंतरिक मंत्रालय ने पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा से 30,000 अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को बुलाया है, जो दंगा विरोधी गियर से लैस होंगे। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कल कारों की टक्कर में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी। प्रवक्ता के अनुसार लाहौर में जिला न्यायालय के पास कारों की टक्कर में पुलिसकर्मी घायल हो गए। दुर्घटना के बाद, उन्हें अस्पताल ले जाया गया, उन्होंने दम तोड़ दिया।

पाकिस्तान सरकार आईएमएफ की मांग पूरी करने को कृषि आय पर कर लगाने की सोच रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मांग को पूरा करने के लिए कृषि आय पर संघीय कर लगाने पर विचार कर रही है और कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि यह संविधान में संशोधन के बिना संभव है। प्रस्ताव पर पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच चर्चा हो चुकी है और कानूनी संशोधन का मसौदा भी तैयार कर लिया गया है पाकिस्तान के कर अधिकारियों ने आईएमएफ को बताया है कि चौथे टैक्स कानून संशोधन अध्यादेश में कानूनी संशोधन पेश किया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि समीक्षा वार्ता के दौरान आईएमएफ की एक बड़ी मांग कृषि क्षेत्र को संघीय कर के दायरे में लाने की थी। हालांकि, दोनों पक्ष आर्थिक नीतियों के लिए ज्ञापन (एमईएफपी) पर सहमत नहीं हो पाए। संघीय कानून और न्याय मंत्री फारोग नसीम ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया, संविधान संशोधन के बिना कृषि आय को संघीय कर के दायरे में लाया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (एफबीआर) के अध्यक्ष और वित्त सलाहकार पहले ही कानून मंत्री के साथ इस मुद्दे को उठा चुके हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि देश में बढ़ती राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान प्रस्ताव को मंजूरी देंगे या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1973 के संविधान के तहत, संघीय सरकार कृषि आय पर कर नहीं लगा सकती थी, क्योंकि मामला प्रांतीय क्षेत्र में आता था।

भारत संग तनाव के बीच चीन की नई चाल, नया भूमि सीमा कानून किया पारित

बीजिंग (एजेंसी)। देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को 'पवित्र और अक्षुण्ण' बताते हुए चीन की संसद ने सीमावर्ती इलाकों के संरक्षण और उपयोग संबंधी एक नया कानून अपनाया है जिसका असर भारत के साथ बीजिंग के सीमा विवाद पर पड़ सकता है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक नेशनल पीपल्स कांग्रेस (एनपीसी) की स्थायी समिति के सदस्यों ने शनिवार को संसद की समापन बैठक के दौरान इस कानून को मंजूरी दी। यह कानून अगले वर्ष एक जनवरी से प्रभाव में आएगा। इसके मुताबिक 'पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता पावन और अक्षुण्ण है।' शिन्हुआ के मुताबिक कानून में यह भी कहा गया है कि सीमा सुरक्षा को मजबूत करने, आर्थिक एवं सामाजिक विकास में मदद देने, सीमावती क्षेत्रों को खोलने, ऐसे क्षेत्रों में जनसेवा और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, उसे बढ़ावा देने और वहां के लोगों के जीवन एवं कार्य में मदद देने के लिए देश कदम उठा सकता है। वह सीमाओं पर रक्षा, सामाजिक एवं आर्थिक विकास में समन्वय को बढ़ावा देने के लिए उपाय कर सकता है। देश समानता, परस्पर विश्वास और मित्रतापूर्ण वार्तालाप के सिद्धांतों का पालन करते हुए पड़ोसी देशों के साथ जमीनी सीमा संबंधी मुद्दों से निबटेगा और काफी समय से लंबित सीमा संबंधी मुद्दों और विवादों को उचित समाधान के लिए वार्ता का सहारा लेगा। बीजिंग ने अपने 12 पड़ोसियों के साथ तो सीमा संबंधी विवाद सुलझा लिए हैं लेकिन भारत और भूटान के साथ उसने अब तक सीमा संबंधी समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 3,488 किलोमीटर के क्षेत्र में है जबकि भूटान के साथ चीन का विवाद 400 किलोमीटर की सीमा पर है। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने पिछले सप्ताह कहा था कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर घटनाक्रमों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन-चैन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है और जाहिर तौर पर इसका व्यापक रिश्तों पर भी असर पड़ा है।

अफगानिस्तान में आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा अमेरिका! बाइडेन प्रशासन पाक के एयरस्पेस का करेगी इस्तेमाल

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिकी का जो बाइडेन प्रशासन अफगानिस्तान में सैन्य और खुफिया अभियानों के संचालन के लिए पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करने वाली है। इसके लिए पाकिस्तान के साथ औपचारिक समझा होने वाला है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान ने आतंकवाद विरोधी प्रयासों और भारत के साथ संबंधों के प्रबंधन में मदद के बदले एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की इच्छा व्यक्त की है।

अंग्रेजी समाचार वेबसाइट 'सीएनएन' की रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने बताया कि अभी समझौते पर बातचीत चल रही है और अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। ऐसे में बदलाव संभव है।

अमेरिकी सैनिकों की हो चुकी है वापसी?

पाकिस्तान के साथ समझौता होने की उम्मीद ऐसे समय में जगी है जब व्हाइट हाउस यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि क्या वह अफगानिस्तान में आईएसआईएस-के और अन्य आतंकवादी समूहों के खिलाफ अभियान चला सकता है ? नाटो के बाद दो दशकों में पहली बार ऐसा हुआ है जब अमेरिकी सैनिक अफगानिस्तान में मौजूद नहीं हैं और उनकी वापसी हो चुकी है।

वर्तमान में अमेरिकी सेना अफगानिस्तान तक अपनी पहुंच को बनाने के लिए पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल कर रही है। लेकिन इसके लिए कोई भी औपचारिक समझौता नहीं हुआ है। वहीं एक अन्य सूत्र ने जानकारी दी कि जब अमेरिकी अधिकारियों ने पाकिस्तान का दौरा किया था तो उस उन्होंने एक समझौते पर चर्चा की थी लेकिन इसमें यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि पाकिस्तान क्या चाहता है और बदले में अमेरिका कितना कुछ देने वाला है।

चीन ने सफलतापूर्वक लॉन्च किया सैटेलाइट, अंतरिक्ष मलबे को कम करने में होगा उपयोग

बीजिंग (एजेंसी)। चीन लगातार अपने परीक्षणों के जरिये दुनिया के लिए परेशानी खड़ा करता रहता है। उसके हर कदम पर अमेरिका की नजर भी लगातार बनी रहती है। अब चीन ने अंतरिक्ष मलबे को कम करने वाली तकनीक का परीक्षण और सत्यापन के लिए एक नया सैटेलाइट लॉन्च किया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार अंतरिक्ष मलबे को कम करने वाली तकनीकों का परीक्षण और सत्यापन करने के लिए चीन ने रविवार को एक नया उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च किया है।

इसे दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत के ज़िचांग सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से लॉन्च किया गया था। शिजियान-21 नाम के इस उपग्रह को लॉन्ग मार्च-3बी वाहक रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया और यह सफलतापूर्वक नियोजित कक्षा में प्रवेश कर गया। सरकारी समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार उपग्रह का उपयोग मुख्य रूप से अंतरिक्ष मलबे को कम करने वाली प्रौद्योगिकियों के परीक्षण और सत्यापन के लिए किया जाएगा।

खुद का स्पेस स्टेशन तैयार कर रहा है चीन

चीन अंतरिक्ष में अपना खुद का स्पेस स्टेशन तैयार कर रहा है। माना जा रहा है कि ये स्पेस स्टेशन इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन को टक्कर देगा। चीन का स्पेस स्टेशन पूरा तैयार होने के बाद पाकिस्तान जैसे चीन के करीबी देशों और अन्य अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष साझेदारों के लिए खुल सकता है। रूस के साथ करीबी सहयोग के अलावा चीन फ्रांस, इटली, पाकिस्तान और अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय सहयोग कर रहा है जिसमें मौलिक भौतिकी, अंतरिक्ष चिकित्सा तथा अंतरिक्ष स्वायत्तता में प्रयोगों पर ध्यान दिया जाएगा।

तालिबान का सिखों को अल्टीमेटम, इस्लाम कबूल कर लो या फिर देश छोड़ दो, आईएफएफआरएएस ने जताई नरसंहार की आशंका

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान ने अपनी दोहरी नीति एक बार फिर दिखा दी है। सत्ता पर कब्जा करने के बाद तालिबान ने मान्यता पाने के लिए सभी धर्मों को साथ लेकर चलने का दावा किया था। लेकिन अब अल्पसंख्यकों के लिए वहां सुरक्षा हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। अफगानिस्ता में तालिबान का एक और क्रूर चेहरा सामने आया है। तालिबान का सिखों को फरमान जारी करते हुए कहा है कि या तो इस्लाम कुबूल कर लो या फिर देश छोड़ दो। इतना ही नहीं इस्लाम कबूल न करने पर जान से मारने की धमकी दी जारी है।

इंटरनेशनल फोरन फॉर राइट्स एंड सिक्योरिटी की रिपोर्ट के अनुसार तालिबान सरकार ने ये साफ कर दिया है कि सिखों को सुन्नी इस्लाम कबूल करना होगा नहीं तो उन्हें मार दिया जाएगा। रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि ऐसे में देश में अल्पसंख्यकों के नरसंहार का खतरा मंडरा रहा है। तालिबान ने 15 अगस्त को काबुल पर कब्जा कर लिया था, जिसके बाद देश में दहशत का माहौल बना हुआ है।

पिछले कुछ सालों में अफगानिस्तान में सिखों की संख्या काफी कम हुई है। अफगानी सरकार ने सिखों को बुनियादी सुविधाएं नहीं दी हैं। फिलहाल ज्यादातर सिख काबुल, गजनी और नंगरहार में रहते हैं। मार्च 2020 में काबुल के शोर बाजार इलाके में गुरुद्वारे पर हमला हुआ था। आत्मघाती हमलावरों ने गुरुद्वारे पर हमला किया था। कट्टरपंथियों के इस हमले में 25 लोगों की मौत हो गई थी। गुरुद्वारे पर हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी। तालिबान राज में सिखों में दहशत का माहौल बनाया जा रहा है। सिख समुदाय पर धर्म परिवर्तन का दवाब बनाया जा रहा है। ज्यादातर सिखों ने गुरुद्वारे में शरण ली हुई है। लोग जान बचाने के लिए हर हाल में अफगानिस्तान छोड़ना चाहते हैं। 26 मार्च 2020 को काबुल के गुरुद्वारे में तालिबानियों गोलियां चलाएं जाने के बाद अधिकतर सिख भारत के लिए रवाना हो गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बारामूला जिले में आतंकवादियों का एक सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने शनिवार को द रजिस्टेंस फ्रंट के आतंकवादियों के एक सहयोगी को गिरफ्तार किया और उसके पास से हथियार एवं अन्य आपत्ति जनक सामग्री बरामद की। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने किचामा में इस व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान किचामा के निवासी फारूक अहमद मलिक के रूप में हुई है। प्रवक्ता के अनुसार उसके पास से एक चीनी हथगोला, दो पिस्तौल मैगजीन और पिस्तौल की 16 गोलियां समेत अभियोजन योग्य सामग्री मिली। पुलिस के अनुसार मलिक श्रकवारा क्रीरी के सक्रिय आतंकवादी हिलाल अहमद शेख के संपर्क में था और उसे खतरनाक सामान पहुंचाकर उसकी सहायता कर रहा था। प्रवक्ता ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू की गयी है।

जम्मू-कश्मीर में सरकार की सफलता से चकित होकर नये हथकंड अपना रहे आतंकवादी: माधव

सूरत। आरएसएस के नेता राम माधव ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी डर फैलाने के लिए नए हथकंडे अपना रहे हैं क्योंकि वे केंद्र शासित प्रदेश में सरकार की सफलता से चकित हैं। माधव की टिप्पणी कश्मीर घाटी में हिंसा में तेजी की पृष्ठभूमि में आई है। अक्टूबर में घाटी में कम से कम 11 नागरिक मारे गए हैं, जिनमें से कुछ अल्पसंख्यक समुदायों से थे। भाजपा के महासचिव रह चुके माधव ने यहां अपनी नयी पुस्तक 'द हिन्दू पैराडाइम - इंटीग्रल ह्यूमनिज्म एंड क्वेस्ट फॉर ए नॉन वेस्टर्न वर्ल्डव्यू'' पर परिचर्चा करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में पिछले तीन-चार वर्षों में कई सकारात्मक बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा, 30 साल पहले विस्थापित हुए कश्मीरी पंडितों को वापस लाया जा रहा है और उनमें से लगभग 3,000 को नौकरी की पेशकश की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। इन सब के कारण, विकास कार्यों में तेजी आई है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान में आतंकवादी और उनके आका केंद्र सरकार की सफलता से भ्रमित हैं और वे भय फैलाने के लिए सड़क पर निर्दोषों को मारने के लिए नशाखोरों जैसे तत्वों को हथियार देकर नए हथकंडे अपना रहे हैं। माधव ने कहा, हम इसे खुफिया विफलता या सरकार की विफलता के रूप में नहीं ले सकते हैं। बल्कि, ये आतंकवादी सरकार की सफलता पर बदहवासी में एक नए प्रकार का भय पैदा कर रहे हैं।

शाहरुख खान अगर भाजपा में शामिल हो जाएं, तो मादक पदार्थ शक्कर बन जाएंगे: भुजबल

बीड। महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल ने क्रूज जहाज पर मादक पदार्थ जब्त होने के मामले में शनिवार को भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि प्रसिद्ध अभिनेता शाहरुख खान भगवा पार्टी में शामिल हो जाएं तो मादक पदार्थ शक्कर बन जाएंगे। गौरतलब है कि इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान भी शामिल हैं। भुजबल ने आरोप लगाया कि गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह में मादक पदार्थ की एक बड़ी खेप जब्त की गई थी, लेकिन इस मामले की जांच करने के बजाय, एक केंद्रीय एजेंसी स्वापक नियंत्रण ब्यूरो शाहरुख खान के पीछे पड़ी है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता ने चुटकी लेते हुए कहा, अगर शाहरुख खान भाजपा में शामिल हो जाएं तो मादक पदार्थ शक्कर बन जाएंगे। यहां समता परिषद-राकांपा के एक कार्यक्रम में भुजबल ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने ओबीसी कोटे पर एक अध्यादेश पारित कराया था, लेकिन भाजपा के एक पदाधिकारी ने इसे अदालत में चुनौती दे दी। उन्होंने पूछा कि क्या भाजपा अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के खिलाफ है।

भूस्खलन से जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग बाधित, पहली बर्फबारी के बाद मुगल, सिमथन रोड बंद

बनिहाल/जम्मू। जम्मू के कई हिस्सों में भारी बारिश होने और ऊंचाई वाले इलाकों में पहली बार मध्यम हिमपात होने से 270 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग और मुगल रोड तथा किश्तवाड़-सिमथन रोड पर यातायात शनिवार को रोक दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रियासी जिले में माता वैष्णो देवी तीर्थ का दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों के आधार शिविर कटरा में सुबह 8.30 से शाम 5.30 बजे के बीच सबसे अधिक 90.7 मिमी बारिश हुई, लेकिन तीर्थयात्रा बिना किसी व्यवधान के जारी रही। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (राष्ट्रीय राजमार्ग) शबीर मलिक ने बताया कि जम्मू- श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली एकमात्र सड़क है। भारी बारिश के कारण रामबन शहर के पास कैफेटेरिया मोड़ पर भीषण भूस्खलन से मार्ग अवरुद्ध हो गया, जिससे यातायात को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि केला मोड़ और मौमपासी सहित रामबन-बनिहाल सेक्टर के बीच राजमार्ग पर स्थित कई स्थानों पर पहाड़ों से पत्थर गिरने की भी सूचना है। मलिक ने बताया, ''लगातार बारिश से राजमार्ग पर मरम्मत का काम बाधित हो रहा है। बारिश बंद होने के बाद कैफेटेरिया मोड़ इलाके में भूस्खलन के मलबे को साफ करने में कम से कम पांच घंटे लगेंगे। उन्होंने बताया कि सबंधित एजेंसियों ने सड़क की सफाई के लिए मशीनों और कर्मियों को तैयार रखा है। चूंकि बारिश में कोई कमी नहीं आई है और मौसम विभाग ने रविवार को भी इसके जारी रहने का पूर्वानुमान जताया था, इसलिए यातायात विभाग ने रविवार को भी राजमार्ग को बंद करने का आदेश दिया। अधिकारियों ने कहा कि जम्मू और दक्षिण कश्मीर के बीच एक वैकल्पिक लिंक किश्तवाड़-सिमथन मार्ग के एक हिस्से को मध्यम हिमपात के कारण यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू क्षेत्र के पुंछ और राजौरी जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले से जोड़ने वाले वैकल्पिक मार्ग मुगल रोड स्थित पीर की गली और आसपास के इलाकों में भी रात भर मध्यम हिमपात होने के कारण यातायात बंद कर दिया गया।

नवजोत सिंह सिद्धू ने फिर दिखाए तेवर, कहा- वास्तविक मुद्दों से पीछे नहीं हटूंगा

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने रविवार को कहा कि राज्य से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर फिर से चर्चा शुरू होनी चाहिए जिसका संबंध हर पंजाबी और आने वाली पीढ़ी से है। सिद्धू ने इस बात पर जोर दिया कि वह राज्य के वास्तविक मुद्दों से पीछे नहीं हटेंगे। सिद्धू का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तानी पत्रकार अरूसा आलम के साथ दोस्ती को लेकर पंजाब के कई कांग्रेस नेताओं और पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के बीच जुबानी जंग तेज हो गयी है। सिद्धू ने ट्वीट कर कहा, 'पंजाब से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर फिर से चर्चा शुरू होनी चाहिए जिसका संबंध हर पंजाबी और हमारी आने वाली पीढ़ियों से है। हम उस वित्तीय आपातकाल का मुकाबला कैसे करेंगे जोकि एक बड़े संकट के रूप में हमारे दरवाजे पर दस्तक देने के लिए तैयार है। मैं राज्य से संबंधित वास्तविक मुद्दों को लेकर किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटूंगा।' हाल ही में दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के सी वेणुगोपाल और हरीश रावत के साथ अपनी बैठक के दौरान सिद्धू ने पार्टी नेतृत्व द्वारा बनाए गए 18 सूत्री एजेंडे पर चिंता जताई थी। इस 18 सूत्री एजेंडे में 2015 की बेअदबी के मामलों और ड्रग्स माफिया के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई शामिल है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा था कि पंजाब के लोग शिरोमणि अकाली दल-भारतीय जनता पार्टी की पिछली सरकार के शासन के दौरान 2015 में गुरु ग्रंथ साहिब के अपमान के विरोध में फरीदकोट के कोटकपुरा और बहबल कलां में प्रदर्शनकारियों पर पुलिस फायरिंग के लिए न्याय की मांग करते हैं।

सिद्धू ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे पत्र में विभिन्न मुद्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि विशेष कार्य दल (एसटीएफ) की रिपोर्ट के मुताबिक मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह में 'बड़ी मछली' की गिरफ्तारी होनी चाहिए। सिद्धू ने कहा कि पार्टी के पास 'अपूर्णीय क्षति' और 'क्षति नियंत्रण' में से चुनाव करने का अंतिम मौका है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने ट्वीट कर कहा, 'हमारे सामने अपूर्णीय क्षति और क्षति नियंत्रण के अंतिम अवसर में से चुनाव करने का आखिरी मौका है। राज्य के संसाधनों को निजी कंपनियों की जेबों में जाने के बजाय उन संसाधनों को कौन वापस लाएगा? हमारे महान राज्य की समृद्धि के लिए उसके पुनरुत्थान की पहल का नेतृत्व कौन करेगा।' सिद्धू ने पार्टी अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा था कि यह चुनावी राज्य के 'पुनरुत्थान और ऋणमुक्ति के लिये आखिरी मौका' है। सिद्धू ने अपने तीसरे ट्वीट में कहा, 'धुंध को साफ करें, पंजाब के पुनरुद्धार के रोडमैप पर वास्तविक सूरज की तरह चमकें, स्वार्थी निहित स्वार्थों की रक्षा करने वालों को दूर करें और केवल उस मार्ग पर ध्यान केंद्रित करें जो 'जितेगा पंजाब, जितेगी पंजाबियत और जितेगा हर पंजाबी' की ओर ले जाएगा।' कांग्रेस अध्यक्ष को लिखे पत्र में, सिद्धू ने 'पंजाब मॉडल के साथ 13-सूत्री एजेंडे को 2022 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के घोषणापत्र का हिस्सा' बनाने की वकालत की है।

चीन के साथ झड़प के दौरान अदम्य साहस का परिचय देने वाले 20 जवान वीरता पदक से अलंकृत

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)।

पिछले साल मई-जून में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के साथ हुई हिंसक झड़प और दोनों देशों के बीच जारी सैन्य गतिरोध के दौरान असाधारण वीरता तथा अदम्य साहस का परिचय देने वाले भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के 20 जवानों को पुलिस वीरता पदकों से अलंकृत (सम्मानित) किया गया है। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने रविवार को आईटीबीपी के 60वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर इन जवानों के सीने पर पदक लगाकर और उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इन पुलिस पदकों की घोषणा इस साल 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर की गई थी। केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बल आईटीबीपी के जवान 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की सुरक्षा के अपने प्राथमिक उद्देश्य के तहत सेना के जवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर तैनात हैं।

आईटीबीपी के प्रवक्ता के मुताबिक पुलिस पदक से सम्मानित होने वाले 20 में से आठ जवानों को पिछले साल 15 जून को गलवान नाला में मातृभूमि की रक्षा के लिए उनके वीरतापूर्ण कार्य, सावधानीपूर्वक योजना और सामरिक अंतर्दृष्टि का प्रदर्शन करने के लिए पुलिस वीरता पदक (पीएमजी) से सम्मानित किया गया है। पूर्वी लद्दाख के फिंगर चार क्षेत्र में 18 मई 2020 को चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प के दौरान वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए आईटीबीपी के छह जवानों को पीएमजी से सम्मानित किया गया है, जबकि बाकी छह जवानों को उसी दिन लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स के पास असाधारण वीरता का प्रदर्शन करने के लिए वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। गौरतलब है कि पूर्वी लद्दाख में चीनी सैनिकों के साथ हुई झड़प में सेना के 20 जवान शहीद हुए थे। चीन के मुताबिक इस झड़प में उसके पांच जवान मारे गए थे जबकि वास्तविक संख्या इससे काफी अधिक होने की संभावना है। भारतीय सीमा क्षेत्र में चीन के बढ़ते हुए अतिक्रमण को रोकने के लिए 1962 में आईटीबीपी की स्थापना की गयी थी। आईटीबीपी में करीब 90 हजार जवान हैं।

संजय राउत ने 100 करोड़ टीकाकरण के दावे को बताया झूठा, कहा- सिर्फ 23 करोड़ ही लगी है वैक्सीन

मुंबई (एजेंसी)।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने आरोप लगाया कि देश में कोविड-19 रोधी टीके की 100 करोड़ खुराक देने का वादा 'झूठा' है और पात्र नागरिकों को अब तक 23 करोड़ से ज्यादा खुराक नहीं लगाई गई है। महाराष्ट्र में शनिवार को नासिक में पार्टी की एक बैठक को संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि वह यह सबूत देंगे कि 100 करोड़ टीकाकरण का दावा 'झूठा' है। राज्य सभा सदस्य ने बिना किसी का नाम लिए हुए कहा, '' आप कितना झूठ बोलेंगे?''शिवसेना के प्रमुख प्रवक्ता ने दावा किया, ''पिछले एक पखवाड़े में 20 हिंदू और सिखों की हत्या हुई। 17 से 18 सैनिक शहीद हो गए।

चीन अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख में समस्या पैदा कर रहा है, लेकिन हम 100 करोड़ टीकाकरण का उत्सव मना रहे हैं, जो कि सही नहीं है।'' उन्होंने पूछा, ''किसने इसकी गिनती की है?'' संपर्क करने पर महाराष्ट्र के भाजपा प्रवक्ता केशव उपाध्याय ने कहा कि शिवसेना नेता आधारहीन दावे करते रहे हैं। उन्होंने कहा, ''100 करोड़ टीकाकरण पर राउत की टिप्पणी कुछ नहीं बल्कि हंसने वाली बात है क्योंकि आंकड़े बिल्कुल स्पष्ट हैं।'' भारत ने 21 अगस्त को कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण का 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया।

बंगाल: बांग्लादेश में हुई हिंसा के खिलाफ नंदीग्राम में आयोजित रैली में शामिल हुए शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हाल में हुई सांप्रदायिक हिंसा के खिलाफ शनिवार को पूर्व मेदिनीपुर जिले में अपने निर्वाचन क्षेत्र नंदीग्राममें एक हिंदू संगठन द्वारा आयोजित रैली में भाग लिया। हिंदू जागरण मंच के 100 से अधिक सदस्यों के साथ दो किलोमीटर से अधिक पैदल चलने वाले अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने एक राजनीतिक नेता के रूप में नहीं बल्कि एक सनातन हिंदू के तौर पर पदयात्रा में भाग लिया। उन्होंने कहा, मैं बांग्लादेश में शांतिप्रिय सनातन हिंदुओं पर अकारण हमलों, इस्कॉन, रामकृष्ण मिशन, मंदिरों और दुर्गा पूजा पंडालों पर हमलों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने के लिए यहां आया हूं। पिछले हफ्ते, बांग्लादेश में कई दुर्गा पूजा पंडालों और हिंदू मंदिरों तथा घरों पर हमला किया गया और तोड़फोड़ की गई। इस दौरान कोमिल्ला में ईशनिंदा के आरोप में हुई हिंसा में कई लोग मारे गए।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर प्रियंका का तंज, मोदी सरकार ने जनता को कष्ट देने के रिकॉर्ड बनाए

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर रविवार को केंद्र पर हमला बोला और आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने जनता को 'कष्ट' देने के रिकॉर्ड बनाए हैं। कांग्रेस नेता प्रियंका ने ट्विटर पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की जिसमें कहा गया है कि इस वर्ष पेट्रोल की कीमतों में रिकॉर्ड 23.53 रूपये की वृद्धि हुई है। प्रियंका ने हिंदी में ट्वीट किया, ''मोदी जी की सरकार ने जनता को कष्ट देने के मामले में बड़े-बड़े रिकॉर्ड बनाए हैं। सबसे ज्यादा बेरोजगारी- मोदी सरकार में, सरकारी संपत्तियां बिक रहीं- मोदी सरकार में, पेट्रोल की कीमतें एक साल में सबसे ज्यादा बढ़ीं- मोदी सरकार में।'' कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने भी वही मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए सरकार पर हमला बोला और ट्वीट किया, ''अच्छे दिन''। शनिवार को लगातार चौथे दिन पेट्रोल और डीजल कीमतों में बढ़ोतरी हुई। पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम 35-35 पैसे प्रति लीटर और बढ़ गए हैं। इस बढ़ोतरी के साथ मई, 2020 की शुरुआत से यानी 18 महीने से कम समय में पेट्रोल 36 रुपये लीटर महंगा हो चुका है। इस दौरान डीजल कीमतों में 26.58 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में अब एक लीटर पेट्रोल की कीमत 107.24 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 95.97 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है।

चीन के कारण दक्षिण एशिया की स्थिरता पर खतरा, चीन-पाकिस्तान सांठगांठ भारत विरोधी: जनरल रावत

गुवाहाटी (एजेंसी)।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने शनिवार को कहा कि चीन की वैश्विक ताकत हासिल करने की महत्वाकांक्षाओं के कारण दक्षिण एशिया की स्थिरता पर 'सर्वव्यापी खतरा' है।

जनरल रावत ने यहां प्रथम रविकांत सिंह स्मृति व्याख्यान देते हुए कहा कि चीन दक्षिण एशिया तथा हिंद महासागर क्षेत्र में अंदर तक सेंध लगा रहा है ताकि उभरती वैश्विक महाशक्ति के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर सके। उन्होंने कहा, ''हाल में हम चीन द्वारा क्षेत्र में भू-रणनीतिक स्पर्धा और भारी निवेश देख रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि म्यांमा तथा बांग्लादेश पर चीन की प्रतिकूल कार्रवाई भी भारत के राष्ट्रीय हित में नहीं हैं क्योंकि ये 'भारत पर नियंत्रण' की कोशिश हैं। रावत ने कहा, ''क्षेत्रीय रणनीतिक अस्थिरता का सर्वव्यापी खतरा बना हुआ है।'' उन्होंने कहा कि इससे भारत की क्षेत्रीय अखंडता और रणनीतिक महत्व को खतरा हो सकता है। सीडीएस ने भारत-पाक संबंधों पर कहा कि पाकिस्तान का सरकार प्रायोजित आतंकवाद तथा सरकार से इतर तत्वों की आतंकवादी गतिविधियां दोनों देशों के बीच शांति प्रक्रिया में अवरोधक हैं। उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर पाकिस्तान तथा चीन के बीच साझेदारी को 'भारत विरोधी सांठगांठ' कहा। जिसमें चीन द्वारा पाकिस्तान को सैन्य उपकरण प्रदान करना और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसका समर्थन करना शामिल है। सीडीएस ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चीन के साथ सीमा संबंधी मुद्दों को समग्रता से देखना होगा और यह लद्दाख सेक्टर या पूर्वोत्तर राज्यों से जुड़े विषय नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''2020 में थोड़ी दिक्कत (भारत और चीन के बीच) थी। सेना से लेकर राजनीतिक स्तर तक विभिन्न स्तरों पर बातचीत के साथ मुद्दों को सुलझाया जा रहा है।'' जनरल रावत ने कहा कि पहले भी दोनों पड़ोसियों के बीच ऐसे मुद्दे उठ चुके हैं, लेकिन सुलझा लिये गये हैं। जनरल रावत ने कहा, ''दोनों देशों के बीच संशय हैं और इसलिए मुद्दों के समाधान में समय लगता है। लोगों को प्रणाली और सशस्त्र बलों में भरोसा होना चाहिए।''

जम्मू कश्मीर के शोपियां में गोलीबारी की घटना, आम नागरिक की गोली लगने से हुई मौत

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में रविवार को गोलीबारी की घटना में एक आम नागरिक की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घटना दक्षिण कश्मीर के शोपियां के जैनापोरा इलाके की है। व्यक्ति की पहचान शाहिद अहमद के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है और आगे के विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है।

पुंछ में आतंकवादियों की गोलीबारी में तीन सुरक्षाकर्मी घायल

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के एक जंगल में सेना और पुलिस के संयुक्त तलाशी दल पर रविवार को आतंकवादियों ने गोलीबारी की जिसमें तीन सुरक्षाकर्मी और सुरक्षा बलों द्वारा गिरफ्तार किया गया एक पाकिस्तानी आतंकवादी घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मेंढर के भट्टा दुर्रियां जंगल से भारी गोलीबारी और विस्फोट की खबरें हैं। मेंढर के साथ राजौरी जिले के थानामंडी और पुंछ के सुरनकोट के समीप के जंगलों में आतंकवादियों की धर पकड़ के लिए बड़े पैमाने पर तलाश अभियान चलाया जा रहा है। अभियान रविवार को 14वें दिन भी जारी रहा। इससे पहले 11 अक्टूबर और 14 अक्टूबर को सुरनकोट और मेंढर में अलग-अलग घटनाओं में नौ सैन्यकर्मियों की मौत हो चुकी है।

29 नवम्बर से शुरू हो सकता है संसद का शीतकालीन सत्र, दो महत्वपूर्ण वित्त विधेयक पेश कर सकती है सरकार

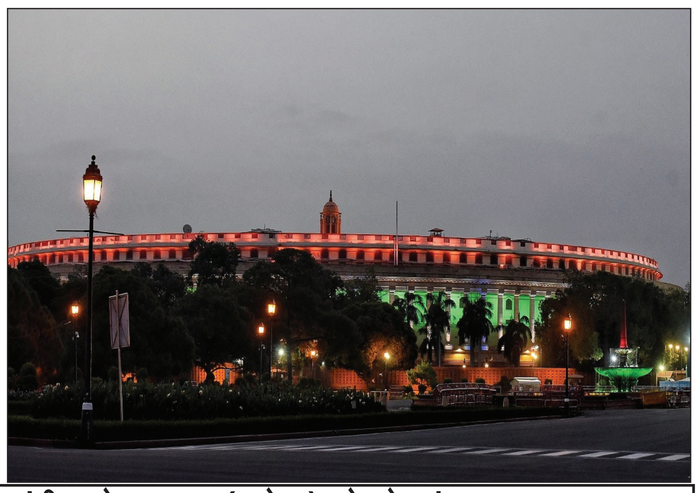

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में वित्तीय क्षेत्र से जुड़े दो महत्वपूर्ण विधेयक ला सकती है। इनकी घोषणा बजट में हुई थी। इनमें से एक विधेयक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण को सुगमता से पूरा करने से संबंधित है। इसके अलावा सरकार राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास (एनपीएस) को पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) से अलग करने के लिए पीएफआरडीए, अधिनियम, 2013 में संशोधन का विधेयक भी ला सकती है।

इससे पेंशन का दायरा व्यापक हो सकेगा। सूत्रों ने बताया कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में सरकार बैंकिंग नियमन अधिनियम, 1949 में संशोधन संबंधी विधेयक ला सकती है। इसके अलावा बैंकों के निजीकरण के लिए बैंकिंग कंपनीज (अधिग्रहण और उपक्रमों का स्थानांतरण) अधिनियम, 1970 और बैंकिंग कंपनीज (अधिग्रहण एवं उपक्रमों का स्थानांतरण) अधिनियम, 1980 में संशोधन करने की जरूरत होगी। सूत्रों ने बताया कि इन कानूनों के जरिये दो चरणों में बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया था। अब बैंकों के निजीकरण के लिए इन कानूनों के प्रावधानों में बदलाव करने की जरूरत होगी। संसद का एक माह का शीतकालीन सत्र अगले महीने के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है। इस सत्र में अनुदान की अनुपूरक मांगों की दूसरी किस्त को भी रखा जाएगा। वित्त विधेयक के अलावा सरकार इसके जरिये अतिरिक्त खर्च कर सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2021-22 का बजट पेश करते समय सरकार के 1.75 लाख करोड़ रुपये के विनिवेश लक्ष्य के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि हमारा आईडीबीआई बैंक के अलावा दो अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण का प्रस्ताव है। साधारण बीमा कंपनी के निजीकरण के लिए सरकार को अगस्त, 2021 में समाप्त हुए मानसून सत्र में साधारण बीमा कारोबार (राष्ट्रीयकरण) संशोधन विधेयक, 2021 के जरिये संसद की मंजूरी मिल चुकी है। सूत्रों ने बताया कि पीएफआरडीए कानून में संशोधन के बाद एनपीएस ट्रस्ट के अधिकार, कामकाज और दायित्व संभवत- परमार्थ न्यास या कंपनी कानून के तहत आ जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पहला कॉलम

जम्मू-कश्मीर में प्रतिबंध पर महबूबा ने केंद्र पर साधा निशाना

श्रीनगर। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत के बयान के बाद केंद्र पर निशाना साधते हुए जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि केंद्रशासित प्रदेश की स्थिति से निपटने के लिए सरकार के पास दमन ही एकमात्र तरीका है। महबूबा ने ट्वीट किया, कश्मीर को खुली जेल में बदलने के बाद भी, बिपिन रावत का बयान कोई आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि दमन जम्मू-कश्मीर की स्थिति से निपटने का एकमात्र तरीका है। यह उनके आधिकारिक कथन का भी खंडन करता है कि यहां सब ठीक है। उन्होंने कहा, सामूहिक गिरफ्तारी, अपनी मर्जी से इंटरनेट को निलंबित करने, लोगों की तलाशी लेने (बच्चों को भी नहीं छोड़ने), बाइक और दोपहिया वाहनों को जब्त करने और नए सुरक्षा बंकर स्थापित करने जैसे कड़े, कठोर और दमनकारी उपाय करने के बाद क्या करना बाकी है? सीडीएस ने कथित तौर पर कहा था कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद लगाए गए प्रतिबंध आतंकवादी हमलों के कारण कश्मीर में वापस आ सकते हैं।

गृहमंत्री शाह के दौरे के दौरान कश्मीर में फिर एक नागरिक की हत्या, अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारी

श्रीनगर। देश के गृहमंत्री अमित शाह के जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे के दौरान शोपियां में एक नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। घटना शोपियां के जैनापोरा इलाके के बाबापोरा की है। शख्स पर अज्ञात बंदूकधारियों ने फायरिंग की और भाग गए। मृतक की पहचान शाहिद अहमद के रूप में हुई है। अधिकारियों ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है कि आखिर किन परिस्थितियों में यह हमला हुआ है। एजेंसियों ने अभी इस बात की पुष्टि नहीं की है कि यह आतंकी हमला है या नहीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी जम्मू-कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। कल ही उन्होंने आतंकी हमले में शहीद जम्मू-कश्मीर के पुलिसकर्मी परवेज डार के परिजनों से मुलाकात की थी। इस महीने घाटी में किसी नागरिक की यह 12वीं हत्या है। इससे पहले भी दो अध्यापकों, एक मेडिकल कारोबारी, 5 प्रवासी मजदूरों समेत 11 नागरिकों की आतंकी हत्याएं कर चुके हैं। शनिवार को ही होम मिनिस्टर अमित शाह ने सेना और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाकर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की थी।

सुरक्षाबलों ने बारामूला से आतंकवादियों का एक निकट सहयोगी गिरफ्तार किया

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। यहां बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने शनिवार को द रजिस्टेंस फ्रंट के आतंकवादियों के एक सहयोगी को गिरफ्तार किया और उसके पास से हथियार एवं अन्य आपत्ति जनक सामग्री बरामद की। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस, सेना और सीआरपीएफ ने किचामा में इस व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान किचामा के निवासी फारूक अहमद मलिक के रूप में हुई है। प्रवक्ता के अनुसार उसके पास से एक चीनी हथगोला, दो पिस्तौल मैगजीन और पिस्तौल की 16 गोलियां समेत अभियोजन योग्य सामग्री मिली। पुलिस के अनुसार मलिक श्रकवारा क्रीरी के सक्रिय आतंकवादी हिलाल अहमद शेख के संपर्क में था और उसे खतरनाक सामान पहुंचाकर उसकी सहायता कर रहा था। प्रवक्ता ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू की गई है।

पुंछ में सुरक्षाबलों का सर्च अभियान जारी, मुठभेड़ में 3 जवान घायल, शोपियां में 1व्यक्ति की मौत

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों की मुस्तैदी से बौखलाकर आतंकियों की सक्रियता फिर बढ़ गई है। ताजा मुठभेड़ में सेना का एक जवान और जम्मू-कश्मीर पुलिस के दो जवान गंभीर घायल हो गए हैं। इस मुठभेड़ में एक आतंकी भी घायल हुआ है। बता दें कि इस सैन्य ऑपरेशन का रविवार को 14वां दिन है। उधर शोपियां जिले में रविवार को गोलीबारी की घटना में एक आम नागरिक की मौत हो गई। घटना दक्षिण कश्मीर के शोपियां के जैनापोरा इलाके की है। व्यक्ति की पहचान शाहिद अहमद के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है और आगे के विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि आज सुबह भट्टा दुर्रियां जंगल में आतंकवादियों द्वारा गोलीबारी करने पर दो पुलिसकर्मी, सेना का एक जवान और उनके द्वारा गिरफ्तार किए गए लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध पाकिस्तानी आतंकवादी जिया मुस्तफा घायल हो गया। प्रवक्ता ने कहा, 'आतंकवादियों के खिलाफ जारी अभियान, जिसमें सेना के तीन जवान और एक जेसीओ शहीद हो गए, उसके दौरान आतंकवादियों के ठिकाने की पहचान करने के लिए मुस्तफा को भट्टा दुर्रियां ले जाया जा रहा था।' उन्होंने बताया, 'तलाश के दौरान जब दल ठिकाने के पास पहुंचा तो आतंकवादियों ने पुलिस और सेना के संयुक्त दल पर गोलीबारी कर दी जिसमें दो पुलिसकर्मी और सेना का एक जवान घायल हो गए।' पुलिस ने कहा कि इस दौरान मुस्तफा भी घायल हो गया और उसे भारी गोलीबारी के बीच वहां से निकाला नहीं जा सका। प्रवक्ता ने बताया कि वहां पर अभियान अभी चल ही रहा है। उन्होंने कहा, 'घायल जवानों का नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र में उपचार चल रहा है। आतंकवादियों के सफाए और मुस्तफा को वहां से निकालने के लिए नए सिरे से प्रयास किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में रावलकोट के रहने वाले मुस्तफा को कोट भलवल जेल में रखा गया है। जांच के दौरान कश्मीर में

मन की बात में मोदी ने कहा,

दीपावली पर स्वदेशी चीजें ही खरीदें : पीएम मोदी

'मन की बात' में पीएम ने दिया वोकल फॉर लोकल का संदेश -वैक्सीनेशन में हेल्थवर्कर्स और महिला शक्ति का जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पीएम नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में उन हेल्थवर्कर्स का आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने वैक्सीनेशन के अभियान को ऊंचाई दी है। उन्होंने कहा कि आज देश में टीकाकरण 1 अरब के पार पहुंच गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने में देश के हेल्थवर्कर्स ने बड़ा योगदान दिया है और इसके लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 82वें संस्करण में भारत की महिला शक्ति की भी जमकर तारीफ की। त्योहारी सीजन का जिक्र करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम त्योहारों पर खरीददारी करने जा रहे हैं। इस दौरान हमें वोकल फॉर लोकल का ख्याल रखना है। उन्होंने कहा कि हमें त्याहारों पर यह ध्यान रखना है कि भारत में बने सामान की ही खरीदें। उन्होंने कहा कि यदि हम किसी गरीब से कुछ अच्छा सामान खरीदते हैं तो उसे सोशल मीडिया पर भी शेयर करें। इससे लोगों को स्वदेशी चीजों को खरीदने की प्रेरणा मिलेगी।

पीएम मोदी ने इस मौके पर 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर तीन प्रतियोगिताएं कराने का भी ऐलान किया। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा को भी याद किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम सभी को किसी न किसी ऐसी गतिविधि से जुड़ना चाहिए, जिससे देश की एकता मजबूत हो। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर रंगोली कंपीटिशन कराने का भी ऐलान किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर कहा कि आज हमारा देश तकनीकी के मामले में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। ड्रोन तकनीक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसके जरिए हम तमाम काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमने ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए इसकी लाइसेंसिंग की प्रक्रिया को आसान किया है। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान का भी जिक्र किया और कहा कि हमें दिवाली पर स्वच्छता के दौरान अपने घर ही नहीं बल्कि पास-पड़ोस की सफाई की भी चिंता करनी है। उन्होंने कहा कि हमें इस अभियान के तहत यह संकल्प भी लेना है कि सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करना है। पीएम ने कहा कि 100 करोड़ वैक्सीन के लक्ष्य को पार करने के बाद आज देश नए उत्साह, नई ऊर्जा से आगे बढ़ रहा है। हमारे टीकाकरण कार्यक्रम की सफलता, भारत के सामर्थ्य को दिखाती है। भारत, दुनिया के उन पहले देशों में से है, जो ड्रोन की मदद से अपने गांव में जमीन के डिजिटल रिकार्ड तैयार कर रहा है। अपातकाल में मदद पहुंचाने से लेकर कानून व्यवस्था की निगरानी तक ड्रोन से की जा रही है। पीएम ने कहा कि पहले ये धारणा बन गई थी कि सेना और पुलिस जैसी सेवा केवल पुरुषों के लिए ही होती है लेकिन आज ऐसा नहीं है। पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या दोगुनी हो गई है। 2014 में जहां इनकी संख्या 1 लाख 5 हजार थी, वहीं इसमें अब 2020 तक दोगुनी से भी अधिक बढ़ोतरी हुई है।

महंगाई- मोदी सरकार ने जनता को 'कष्ट' देने के रिकॉर्ड बनाए : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने रविवार को केंद्र पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने जनता को 'कष्ट' देने के रिकॉर्ड बनाए हैं। कांग्रेस नेता प्रियंका ने ट्विटर पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की जिसमें कहा गया है कि इस वर्ष पेट्रोल की कीमतों में रिकॉर्ड 23.53 रुपए की वृद्धि हुई है। प्रियंका ने हिंदी में ट्वीट किया, 'मोदी जी की सरकार ने जनता को कष्ट देने के मामले में बड़े-बड़े रिकॉर्ड बनाए हैं। सबसे ज्यादा बेरोजगारी, मोदी सरकार में, सरकारी संपत्तियां बिक रहीं, मोदी सरकार में, पेट्रोल की कीमतें एक साल में सबसे ज्यादा बढ़ीं, मोदी सरकार में।' कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने भी वही मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए सरकार पर हमला बोला और ट्वीट किया, 'अच्छे दिन'। शनिवार को लगातार चौथे दिन पेट्रोल और डीजल कीमतों में बढ़ोतरी हुई। पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम 35-35 पैसे प्रति लीटर और बढ़ गए हैं। इस बढ़ोतरी के साथ मई, 2020 की शुरुआत से यानी 18 महीने से कम समय में पेट्रोल 36 रुपए लीटर महंगा हो चुका है। इस दौरान डीजल कीमतों में 26.58 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में अब एक लीटर पेट्रोल की कीमत 107.24 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 95.97 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है।

जम्मू-कश्मीर में किसी को भी शांति और प्रगति में बाधा नहीं डालने दिया जाएगा : शाह

जम्मू (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि किसी को भी जम्मू-कश्मीर में शांति, प्रगति और समृद्धि को बाधित करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। जम्मू शहर के भगवती नगर इलाके में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कितीन परिवारों का एकाधिकार हमेशा के लिए खत्म हो गया है। उन्होंने कहा, मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन हर कोई उन्हें जानता है। वे आज हमसे पूछ रहे हैं कि हमने क्या किया है। हमने वह किया है जो वे 70 वर्षों में वे नहीं कर सके। उन्होंने कहा, हमने 70 वर्षों में उपेक्षित रहने वालों को रोजगार, सशक्तिकरण और जगह दिया है। उन्होंने कहा, सत्ता का प्रयोग अब पंच और सरपंच करेंगे, एकाधिकार और शोषण के दिन खत्म हो गए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर किसी को भी जम्मू-कश्मीर में शांति, प्रगति और समृद्धि को बाधित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, मैं आपको आश्वस्त करने आया हूं कि जम्मू के साथ अन्याय के दिन खत्म हो गए हैं। अब जम्मू-कश्मीर दोनों का विकास होगा। शाह ने कहा कि उन्हें आशंका है कि खराब मौसम के कारण वह रविवार की रैली को संबोधित कर पाएंगे या नहीं। माता

वैष्णो देवी के आशीर्वाद से, अभी धूप है और मैं आपसे बात कर रहा हूं। आज एक विशेष दिन है क्योंकि यह प्रेम नाथ डोगरा का जन्मदिन है। न केवल जम्मू के लोग, बल्कि पूरे देश के लोग उन्हें नहीं भूल सकते।

केंद्र ने राज्यों से कहा- आगामी त्योहार सुरक्षित तरीके से मनाएं

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से कहा है कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर आगामी त्योहार अत्यधिक सावधानियों के साथ सुरक्षित तरीके से मनाए जाएं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लिखे पत्र में कहा कि कोविड मामले बढ़ने पर काबू के लिए पिछले महीने जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन किया जाना चाहिए। निषिद्ध क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाने वाले इलाकों और पांच प्रतिशत से अधिक संक्रमण दर वाले जिलों में किसी भी सामूहिक आयोजन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान सावधानी बरतने के लिए संबंधित राज्य सरकारों द्वारा पर्याप्त रूप से पहले ही आवश्यक निर्देश जारी किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड संबंधी उपयुक्त व्यवहार के उल्लंघन के मामले में दंडात्मक कार्रवाई भी की जानी चाहिए। केंद्र ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से ऑनलाइन समारोहों, ऑनलाइन खरीदारी और अनावश्यक यात्रा से बचने के लिए विभिन्न तौर-तरीकों का पता लगाने तथा उन्हें बढ़ावा देने को भी कहा। केंद्र ने कहा कि यह अहम है कि जिला स्वास्थ्य अधिकारी स्थानीय मामलों की संख्या पर कड़ी नजर रखें और स्वास्थ्य मंत्रालय और गृह मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी परामर्श के आधार पर समय पर तथा सख्ती से हस्तक्षेप करें।

संसद का शीतकालीन सत्र 29 नवम्बर से संभावित

-दो अहम वित्त विधेयक पेश कर सकती है सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संसद का शीतकालीन सत्र 29 नवम्बर से शुरू होने की संभावना है। सरकार इस सत्र में वित्तीय क्षेत्र से जुड़े दो खास विधेयक ला सकती है। इनकी घोषणा बजट में हुई थी। इनमें से एक विधेयक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण को सुगमता से पूरा करने से संबंधित है। इसके अलावा सरकार राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास (एनपीएस) को पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) से अलग करने के लिए पीएफआरडीए, अधिनियम, 2013 में संशोधन का विधेयक भी ला सकती है।इससे पेंशन का दायरा व्यापक हो सकेगा। सूत्रों ने बताया कि संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में सरकार बैंकिंग नियमन अधिनियम, 1949 में संशोधन संबंधी विधेयक ला सकती है। इसके अलावा बैंकों के निजीकरण के लिए बैंकिंग कंपनीज (अधिग्रहण और उपक्रमों का स्थानांतरण) अधिनियम, 1970 और बैंकिंग कंपनीज (अधिग्रहण एवं उपक्रमों का स्थानांतरण) अधिनियम, 1980 में संशोधन करने की जरूरत होगी। सूत्रों ने बताया कि इन कानूनों के जरिए दो चरणों में बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया था। अब बैंकों के निजीकरण के लिए इन कानूनों के प्रावधानों में बदलाव करने की जरूरत होगी। संसद का एक माह का शीतकालीन सत्र अगले महीने के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है। इस सत्र में अनुदान की अनुपूरक मांगों की दूसरी किस्त को भी रखा जाएगा। वित्त विधेयक के अलावा सरकार इसके जरिए अतिरिक्त खर्च कर सकती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2021-22 का बजट पेश करते समय सरकार के 1.75 लाख करोड़ रुपए के विनिवेश लक्ष्य के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि हमारा आईडीबीआई बैंक के अलावा दो अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण का प्रस्ताव है।

साधारण बीमा कंपनी के निजीकरण के लिए सरकार को अगस्त, 2021 में समाप्त हुए मानसून सत्र में साधारण बीमा कारोबार (राष्ट्रीयकरण) संशोधन विधेयक, 2021 के जरिए संसद की मंजूरी मिल चुकी है। सूत्रों ने बताया कि पीएफआरडीए कानून में संशोधन के बाद एनपीएस ट्रस्ट के अधिकार, कामकाज और दायित्व संभवतः परमार्थ न्यास या कंपनी कानून के तहत आ जाएंगे।

कांग्रेस में 40 साल से अधिक समय में मैंने कभी पंजाब जैसी अराजकता नहीं देखी: मनीष तिवारी

चंडीगढ़ (एजेंसी) ।

पंजाब कांग्रेस में चल रही कलह खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने पंजाब की सत्ताधारी कांग्रेस में जारी सियासी खींचतान को 'रोजाना के नाटक' करार देते हुए सवाल किया कि क्या पार्टी को लगता है कि राज्य के लोग इससे 'घृणित' नहीं हैं। तिवारी ने पार्टी के पंजाब प्रभारी हरीश रावत की एक इंटरव्यू का जिक्र करते हुए कहा कि 'कांग्रेस में 40 साल से अधिक समय में मैंने कभी ऐसी अराजकता नहीं देखी'। तिवारी ने एक के बाद एक कई सिलसिलेवार ट्वीट्स में पंजाब इकाई की समस्याओं के बारे में विस्तार से बताया और इसे 'अराजकता' करार दिया। उन्होंने लिखा, 'पंजाब कांग्रेस के एक

अध्यक्ष द्वारा कांग्रेस आलाकमान की बार-बार खुली अवहेलना, पार्टी नेताओं का बच्चों की तरह एक-दूसरे से खुलेआम झगड़नाज एक-दूसरे के खिलाफ ऐसी गंदी भाषा का उपयोग तो मछली बेचने वाली भी नहीं करती हैं। पिछले 5 महीनों से यह पंजाब कांग्रेस का हाल है'।बता दें कि हरीश रावत ने एक हालिया इंटरव्यू में कहा था कि तिवारी ऐसे वरिष्ठ नेता थे, जिनसे उन्हें 'बहुत लगाव' था, लेकिन उन्हें पंजाब की जमीनी स्थिति को समझना चाहिए। इसके बाद तिवारी ने एक इंटरव्यू में कहा कि राज्य के प्रभारी इस बात की सराहना करने में विफल रहे हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने इस सीमावर्ती राज्य के मुद्दों और यहां की राजनीतिक स्थिति को कैसे प्रबंधित किया, या कि उन्होंने एक स्थिर सरकार चलाई।

आर्यन खान के वॉट्सऐप से डिलिट चैट व बैंक डिटेल पर एनसीबी की नजर

-जांच दल पहले ही ऐसे कुछ आरोपियों के लेन-देन के रिकॉर्ड एकत्र कर चुका है

मुंबई (एजेंसी)।

नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) क्रूज शिप से ड्रग्स जब्त होने के मामले में अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान समेत सभी गिरफ्तार आरोपियों के वित्तीय लेनदेन की जांच कर रहा है। इसके लिए आरोपियों के मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से हटाए गए संदेशों और व्हाट्सएप चैट को निकाल रहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नार्कोटिक्स ... अक्टूबर को बंबई उच्च न्यायालय के समक्ष सुनवाई के लिए निर्धारित आर्यन खान की जमानत याचिका का विरोध करेगी। एनसीबी 2 अक्टूबर को मुंबई तट पर एक क्रूज शिप पर छापा मारने और कथित तौर पर ड्रग्स जब्त करने के बाद से अब तक 20 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। एनसीबी अधिकारी ने कहा कि जांच दल पहले ही ऐसे कुछ आरोपियों के लेन-देन के रिकॉर्ड एकत्र कर चुका है, जिनसे 'व्यावसायिक' इस्तेमाल में लाए जाने वाले या ... के स्रोतों की भी जांच कर रही है। अधिकारी ने कहा कि जांच दल आरोपियों के मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से हटाए गए संदेशों और व्हाट्सएप चैट को निकाल रहा है और जांच कर रहा है कि क्या उन्होंने एक दूसरे के साथ संवाद करने के लिए किसी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया है।एनसीबी ने छापेमारी के दौरान कथित तौर पर कुछ आरोपियों के पास से एमडीएमए बरामद किया था। अधिकारी ने ... और एजेंसी इस बात की जांच कर रही है कि आरोपियों ने इसे कहां से हासिल किया। एनसीबी अधिकारी ने कहा कि अभिनेत्री अनन्या पांडे से एनसीबी ने मामले के संबंध में पूछताछ की है और वह जांच में सहयोग कर रही हैं। उन्होंने कहा कि गुरुवार को एजेंसी ने शहर में छह स्थानों पर तलाशी ली और कुछ संदिग्धों के पास से मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए। इससे पहले सुबह शाहरुख खान की मैनेजर

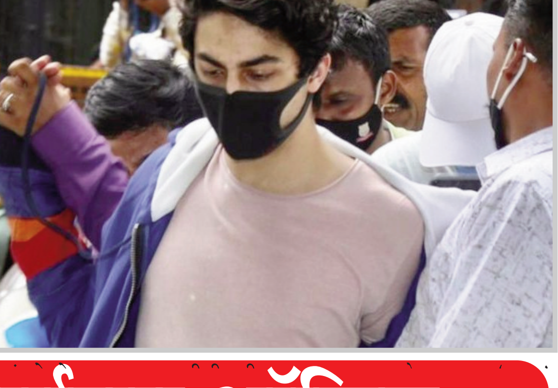

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटो,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com